बर्षः- 06
अंकः- 37
मुरादाबाद
(Thursday)
28 May 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

दैनिक
प्रातः कालीन

क्यूँ न लिखूँ सच

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

मुरादाबाद से प्रकाशित

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

सरकार ने पीडीएस को आधुनिक बनाने के लिए मंजूर किए 25530 करोड़ रुपये

केंद्र सरकार ने देश की राशन वितरण प्रणाली यानी पब्लिक डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम (पीडीएस) में एक बड़े और ऐतिहासिक सुधार का एलान किया है। केंद्रीय कैबिनेट ने पीडीएस को पूरी तरह से आधुनिक बनाने और राशन दुकानों को मजबूत ढांचागत समर्थन देने के लिए 25,530 करोड़ रुपये की लागत वाली सार्थक पीडीएस योजना को अपनी आधिकारिक मंजूरी दे दी है।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने राशन दुकानों को समर्थन देने और सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) को आधुनिक बनाने के लिए 25,530 करोड़ रुपये की सार्थक पीडीएस योजना योजना को मंजूरी दे दी है। यह योजना मार्च 2031 तक पांच वर्षों के लिए लागू रहेगी।

सूचना व प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को यह जानकारी दी। सरकार के इस बड़े कदम का सीधा और सकारात्मक असर देश के उन 80 करोड़ नागरिकों पर पड़ेगा जो अपनी बुनियादी जरूरतों के लिए सरकार के खाद्य सुरक्षा कार्यक्रम पर निर्भर हैं।केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक के बाद मीडिया को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा, आज मंत्रिमंडल ने एक ऐसा निर्णय लिया है जो देश के 80 करोड़ नागरिकों को प्रभावित करेगा। जैसा कि आप सभी जानते हैं, भारत वर्तमान में विश्व का सबसे बड़ा खाद्य

सुरक्षा कार्यक्रम चला रहा है।इस खाद्य सुरक्षा कार्यक्रम के तहत 80 करोड़ नागरिकों को हर महीने बुनियादी राशन उपलब्ध कराया जाता है। यह इतना विशाल कार्यक्रम है कि इसे वैश्विक स्तर पर समावेशी विकास के उदाहरण के रूप में उद्धृत किया जाता है।पहला चरण पहले चरण में सार्थक-पीडीएस योजना के साथ राज्य के भीतर खाद्यान्न परिवहन के लिए राज्य एजेंसियों को सहायता दी जाएगी। इसके साथ ही उचित मूल्य की दुकानों के लिए समर्थन का प्रावधान होगा। सार्वजनिक वितरण प्रणाली का आधुनिकीकरण से जुड़ी इस योजना का कुल परिव्यय 25,530 करोड़ रुपये होगा। इसकी कुल अवधि पांच वर्ष यानी 1 अप्रैल 2026 से 31 मार्च 2031 तक होगी। दूसरा चरण वैष्णव ने बताया कि पीडिएस को आधुनिक बनाने के लिए स्मार्ट पीडीएस चरण के तहत तीन प्रमुख एआई-सक्षम मॉड्यूल का इस्तेमाल किया जाएगा। ये होंगे- निर्मल- एआई-संचालित वास्तविक समय पीडीएस लाभार्थी रजिस्ट्री। अंतर-मंत्रालय एकीकरण और क्रॉस-स्कीम अभिसरण। आशा- कॉल, व्हाट्सएप, आईवीआरएस और चैटबॉट के माध्यम से बहुभाषी एआई शिकायत निवारण और नागरिक सहभागिता मंच। प्रतिदिन 3 लाख इंटरैक्शन तक स्केलेबल। सक्षम- एआई-सक्षम आपूर्ति शृंखला मंच जिसमें वाहन ट्रैकिंग, क्यूआर ट्रेसिबिलिटी, मांग पूर्वानुमान और मार्ग अनुकूलन शामिल हैं। केंद्रीय मंत्री ने योजना के लाभों के बारे में बताते हुए कहा कि पीडीएस को आधुनिक बनाने से पात्र लाभार्थियों की सटीक पहचान करने और नागरिकों की संतुष्टि में सुधार करने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि आशा-एआई खाद्य सुरक्षा को सुनिश्चत करने में सहायक होगा। इसके जरिए पसंदीदा भाषा में शिकायतों का तेजी से निवारण किया जा सकेगा। जिससे अनाज की बचत और स्थानीय खरीद को प्रोत्साहन मिलेगा। साथ ही अनाज की ढुलाई की दूरी में 15-50त्न की कमी आएगी।बेहतर लॉजिस्टिक्स का इंतजाम होने से 280 करोड़ रुपये की वार्षिक बचत होगी और कार्बन उत्सर्जन में 35त्न की कमी आएगी। इसके लिए बैग और वाहन लोकेशन सिस्टम के लिए क्यूआर कोड वाले टैग लगाए जाएंगे।

संक्षिप्त समाचार

लालकुआं-बंगलूरू और काठगोदाम-मुंबई सेंट्रल एक्सप्रेस नियमित, नए नंबर जारी, घटेगा किराया

रेलवे बोर्ड ने दो विशेष ट्रेनों को नियमित दर्जा दिया है। इससे यात्रियों का किराया 35 से 40 फीसदी तक कम हो जाएगा। ये ट्रेनें लालकुआं-बेंगलुरु और काठगोदाम-मुंबई सेंट्रल एक्सप्रेस हैं। इनके नए नंबर भी जारी किए गए हैं।लंबे समय से विशेष के तौर पर चलाई जा रहीं 05073-74 लालकुआं-बंगलूरू और 09075-76 काठगोदाम-मुंबई सेंट्रल एक्सप्रेस को रेलवे बोर्ड ने नियमित का दर्जा दे दिया है। इसके साथ ही बरेली होकर मुंबई के लिए एक और नियमित गाड़ी व दक्षिण भारत के लिए पहली नियमित गाड़ी मिल गई है। दोनों गाड़ियों के नए नंबर भी जारी कर दिए गए हैं। नियमित के रूप में संचालन शुरू होने के बाद इन ट्रेनों में किराया 35 से 40 फीसदी तक कम हो जाएगा।21907 मुंबई सेंट्रल-काठगोदाम सुपरफास्ट 27 मई से प्रत्येक बुधवार को सुबह 10ः55 बजे मुंबई सेंट्रल से चलने के बाद दूसरे दिन सुबह 9ः45 बजे बरेली आएगी और दोपहर 1ः50 बजे काठगोदाम पहुंचेगी। 21908 काठगोदाम मुंबई सेंट्रल सुपरफास्ट 28 मई से प्रत्येक बृहस्पतिवार को काठगोदाम से शाम 5ः30 बजे चलने के बाद रात 8ः15 बजे बरेली आएगी और अगले दिन रात नौ बजे मुंबई सेंट्रल पहुंचेगी। 15302 लालकुआं-बंगलूरू सिटी एक्सप्रेस प्रत्येक शनिवार को लालकुआं से शाम 5ः45 बजे चलने के बाद 7ः32 बजे बरेली आएगी और तीसरे दिन दोपहर 3ः25 बजे बंगलुरू सिटी पहुंचेगी।

पीएम मोदी और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय की मुलाकात

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय चुनाव पदभार संभालने के बाद आज पहली बार दिल्ली पहुंचे। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। विजय केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से भी मुलाकात कर सकते हैं।तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय ने आज अपने पहले दिल्ली दौरे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। दोनों की मुलाकात की आधिकारिक तस्वीर प्रधानमंत्री कार्यालय के एक्स हैंडल (पीएमओ) पर जारी हुई।

पीएमओ के एक्स हैंडल पर इस मुलाकात के बारे में लिखा गया, %तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय ने प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात की।% कई मीडिया रिपोर्ट्स में ये भी दावा किया जा रहा है कि पीएम मोदी और विजय की ये मुलाकात 12 वर्षों के बाद हुई है। हालांकि, किसी आधिकारिक बयान में इस तथ्य की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं की जा सकी है।विधानसभा चुनाव 2026 में मिली ऐतिहासिक जीत के बाद मुख्यमंत्री बने विजय पहली दिल्ली यात्रा कर रहे हैं।

उनके इस दौरे को लेकर समाचार एजेंसी आईएएनएस ने सूत्रों के हवाले से बताया कि पीएम मोदी के अलावा वे गृह मंत्री अमित शाह और केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से भी मुलाकात कर सकते हैं। माना जा रहा है कि इस बैठक में विजय तमिलनाडु के लिए अधिक वित्तीय सहायता और कई अहम इंफ्रास्ट्रक्चर व विकास परियोजनाओं को जल्द मंजूरी देने की मांग से जुड़े ज्ञापन सौंपेंगे। जानकारी के अनुसार, मुख्यमंत्री बुधवार को दिल्ली रवाना होंगे और उसी दिन चेन्नई लौट सकते हैं।क्यों है यह यात्रा महत्वपूर्ण ?- विजय के केंद्र सरकार से राज्य में बुनियादी ढांचे के विस्तार, लंबित वित्तीय आवंटन, औद्योगिक विकास योजनाओं, कल्याणकारी कार्यक्रमों और प्रमुख कनेक्टिविटी परियोजनाओं के लिए अधिक सहयोग मांगने की संभावना है।

माना जा रहा है कि ये परियोजनाएं तमिलनाडु की आर्थिक प्रगति के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं। यह दौरा राजनीतिक रूप से भी काफी अहम माना जा रहा है। हाल ही में हुए तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में विजय और उनकी पार्टी टीवीके ने राज्य की राजनीति में बड़ा उलटफेर किया। विजय की जीत ने सबकों चौका दिया- अपने पहले ही विधानसभा चुनाव में टीवीके ने 234 सदस्यीय विधानसभा में 108 सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरकर सभी को चौंका दिया। हालांकि पार्टी बहुमत के आंकड़े 118 सीटों से पीछे रह गई थी, जिसके बाद राज्य में तेज राजनीतिक गतिविधियां शुरू हुईं। बाद में विजय को कांग्रेस, वाम दलों, इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) और विदुथलाई चिरुथाइगल कत्ची (वीसीके) समेत कई दलों का समर्थन मिला। इसके बाद उन्होंने बहुमत का आंकड़ा पार कर गठबंधन सरकार बनाई। तमिलनाडु में कई दशकों बाद गठबंधन सरकार का गठन हुआ है। राज्य की राजनीति लंबे समय से डीएमके और एआईएडीएमके के नेतृत्व वाली सरकारों के इर्द-गिर्द घूमती रही है, ऐसे में विजय का उदय राज्य की राजनीति में बड़े बदलाव के तौर पर देखा जा रहा है।

अखिलेश बोलेः अगले चुनाव में जनता भाजपा को धो-पटककर हमेशा के लिए सुखा देगी, इनमें अब करंट नहीं रहा

समाजवादी पार्टी प्रमुख ने प्रदेश सरकार पर बिजली संकट, फर्जी एनकाउंटर और खराब कानून व्यवस्था को लेकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि जनता भाजपा से नाराज है और अगला चुनाव सरकार के खिलाफ जाएगा। बिजली कटौती, राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप और प्रशासनिक कार्यशैली को लेकर प्रदेश की राजनीति लगातार गर्म होती जा रही है।अखिलेश यादव ने बुधवार को फिर से भाजपा पर तंज कसा। उन्होंने अपने ङ्क अकाउंट से लिखा- अगले चुनाव में जनता भाजपा को धो-पटककर हमेशा के लिए सुखा देगी। शुक्र है उप्र के 'असफल मुख्यमंत्री' जी ने ये नहीं कहा कि इस 'महा विद्युत आपदा' के पीछे दिल्लीवालों के भेजे हुए दूत की साजिश है।ये स्पष्ट किया जाए कि मुख्यमंत्री जी की समीक्षा बैठक में बिजली मंत्री जी आते नहीं हैं या बुलाए नहीं जाते हैं। अगर आते हैं तो माननीय से अनुरोध है कि उनके 'कंधे पर हाथ रखकर' एक तस्वीर आप पोस्ट कर दीजिए, जनता को आपकी 'आपसी गर्मी' से तो राहत मिल जाएगी। क्योंकि जनता ने आप दोनों को कभी एकांत में साथ देखा नहीं।भाजपा राज में बिजली के सब-स्टेशनों पर पीएसी लगती है और विधायक-सांसद अपनी ही सरकार के ख़िलाफ़ चिट्ठी लिखकर, जनता के आक्रोश से बचने का कायराना काम करते हैं। भाजपा में अब करंट नहीं रहा।सरकार अपनी धाक जमाने के लिए फेक एनकाउंटर करा रही

वहीं, मंगलवार को सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने सपा कार्यालय में प्रेसवार्ता की थी। उन्होंने कहा था कि पुलिस की कार्यशैली भी सवाल उठाए। कहा कि आजकल फेक एनकाउंटर की खबरें काफी सुनने को आ रही हैं। कई परिवारों ने इस बारे में खुलकर बात की है। इससे पता चलता है कि सरकार फेक एनकाउंटर की साजिश लगातार कर रही है। सरकार की मर्जी के अनुसार फेक एनकाउंटर हो रहा है। अपनी धाक जमाने के लिए यूपी में एनकाउंटर किए जा रहे हैं। ये सरकार जाति देखकर एनकाउंटर करवाती है। सपा सरकार बनते ही केंद्र की भाजपा सरकार गिर जाएगी- अखिलेश यादव ने कहा, उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सरकार बनते ही केंद्र की भाजपा सरकार भी गिर जाएगी। भाजपा सरकार फेक एनकाउंटर की तरह फेक अर्थव्यवस्था का भी प्रचार कर रही है। डॉलर जितना ऊपर जाएगा, चाय उतनी महंगी होती जाएगी और इसका सीधा असर आम जनता पर पड़ रहा है। भाजपा सरकार के 10 वर्षों में पीडीए (पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक) वर्ग पर सबसे ज्यादा अत्याचार हुए हैं। सबसे अधिक फर्जी एनकाउंटर पीडीए वर्ग के लोगों के हुए हैं और उन्हें धमकाने के उद्देश्य से इस तरह की कार्रवाई की जा रही है। अखिलेश यादव ने जौनपुर के एक यादव पुजारी के कथित एनकाउंटर का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी ने संघर्ष करके पुजारी परिवार को न्याय दिलाया और दोषियों को जेल भिजवाया।फर्जी एनकाउंटर करने वाले लोग मानसिक रोगी बन जाते हैं। उन्होंने 2020 हाथरस केस का जिक्र करते हुए कहा कि जो तस्वीर 2020 में हाथरस में देखने को मिली थी, वैसी ही स्थिति अब 2026 में भी दिखाई दे रही है।सपा प्रमुख ने आरोप लगाया कि प्रदेश में कानून-व्यवस्था पूरी तरह विफल हो चुकी है और सरकार के संरक्षण में फर्जी एनकाउंटर किए जा रहे हैं।

'COEMPT को सीबीएसई का ठेका क्यों और किसके कहने पर दिया? राहुल ने PM मोदी की चुप्पी पर उठाए सवाल

सीबीएसई की आंसर शीट जांच में हुई कथित गड़बड़ी का विवाद गहरा गया है और अब इस पर राजनीति शुरू हो गई है। लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने इस पूरे विवाद पर प्रधानमंत्री की चुप्पी पर सवाल उठाए हैं और कुछ गंभीर सवाल पूछे हैं। सेंट्रल बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन (सीबीएसई) द्वारा 12वीं के एक छात्र की आंसर शीट जांच में हुई कथित गड़बड़ी पर खूब विवाद हुआ है, जिसकी सोशल मीडिया पर भी चर्चा है। अब इस विवाद को लेकर राहुल गांधी ने भी केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में कहा कि सीबीएसई परीक्षा परिणाम को लेकर भयंकर हेर-फेर हो गया है, जिससे देश के लाखों बच्चे और उनके माता-पिता सदमे में हैं, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी हमेशा की तरह शांत हैं और इस पर कुछ नहीं बोल रहे हैं।राहुल गांधी ने सीबीएसई परीक्षा कराने वाली कंपनी COEMPT को ठेका दिए जाने पर सवाल उठाए। राहुल गांधी ने कहा, जिस कंपनी COEMPT को परीक्षा परिणाम की जिम्मेदारी दी गई, वह पहले Globarena नाम से तेलंगाना में 2019 में यही कारनामा कर चुकी है। राहुल गांधी ने कहा, नाम बदला पर नीयत नहीं। इतिहास सबको पता था फिर भी ठेका दिया गया। ऐसी कंपनी के हाथों में 18.5 लाख बच्चों का भविष्य सौंप दिया गया और किसी को फर्क नहीं पड़ा!%राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि यह गलती नहीं बल्कि एक सोचा-समझा षड़यंत्र है। राहुल गांधी ने सवाल पूछे, 'COEMPT को सीबीएसई का ठेका क्यों और किसके कहने पर दिया गया? COEMPT पहले ही Globarena के नाम से विवादों में घिर चुकी है फिर सीबीएसई को इस बारे में क्यों पता नहीं चला? बैकग्राउंड चेक क्यों नहीं किया गया?% राहुल गांधी ने पूछा कि COEMPT प्रबंधन और मोदी सरकार के बीच क्या संबंध हैं?न्यायिक जांच कराने की मांग- राहुल गांधी ने मांग की कि सीबीएसई विवाद की स्वतंत्र न्यायिक जांच कराई जाए और एसआईटी का गठन किया जाए। राहुल गांधी ने युवाओं से कहा कि आपकी मेहनत, आपका भविष्य कोई चुरा नहीं पाएगा। हम इस साजिश की तह तक जाएंगे और इस भ्रष्टाचार को जड़ से उखाड़ फेकेंगे।

क्या है विवाद- सीबीएसई की ओर से 12वीं का रिजल्ट जारी होने के बाद कुछ छात्रों ने ऑनस्क्रीन मार्किंग यानी ओएसएम की वजह से कम नंबर दिए जाने का आरोप लगाया था। इसके चलते कई छात्रों का जेईई में एडमिशन भी अटक गया। इसके बाद सीबीएसई ने आंसर शीट के पुनर्मूल्यांकन की सुविधा दी। जिसमें बड़ी संख्या में छात्रों ने अपनी आंसर शीट का पुनर्मूल्यांकन कराया। ऐसा ही छात्र वेदांत के साथ हुआ

संपादकीय Editorial

The Fifteen Hundred Rupee Guarantee

The larger the government's announcements, the greater the opposition's opposition. Then, in an attempt to ignite a spark, the Himachal government turned the tables. Speculation about decisions during the local body elections was overshadowed when the government, from its own pocket, placed a full guarantee for women. It means the time has come to open the floodgates. The 1500 rupee guarantee, which until yesterday was limited to a few tribes or specific areas, will now be available to every Himachali woman with an annual income of less than two lakh rupees. This means so many women will benefit that the voter list could be shaken. This very signal, this very intention, strikes the opposition as a bolt from the blue, and with the cabinet meeting taking the final moments of the Panchayat Raj elections into account, the BJP has begun searching for electoral gains. However, now every cabinet meeting in Himachal will be weighed against the upcoming assembly elections. All the digging is on one side, and election preparations are on the other. The government will take many crucial decisions on its path to progress within this timeframe and will document the entire trajectory of systemic change. By delving into its historical documents, the Sukhu government will demonstrate its entire journey from incarnation to incarnation. By providing a crucial milestone, a guaranteed monthly payment of fifteen hundred rupees to women, the current government will honestly justify its achievements. The issue here will be neither the simplicity of the budget nor the state's priorities; rather, what was once announced from the election platform has been fulfilled as a promise before the next election. Clearly, the fifteen hundred rupee bet will weaken the BJP's fortunes. Under the Sukhu government, the cabinet meetings are nourishing the state's ambitions and also strengthening its vision. For example, efforts are underway to ensure that every sector receives the necessary resources through the weight of decisions. While nearly eighteen hundred positions are being filled, the youth are being given a crown. While recent achievements in the education sector and improvements in national rankings are progressing, the government is aiming to enhance facilities by aligning the standards of 300 schools under the Himachal Pradesh School Education Board with CBSE standards. It is also changing the perspectives of businesses by allowing shops to operate 24-hours a day. This is expected to transform the transportation sector, including highways and destination tourism. Reversing the previous government's decision, the government is relocating the Chief Engineer's office in Shahanhar, which had been moved from Kangra to Mandi, to Fatehpur. The government has taken policy decisions addressing several other key areas, but each decision demonstrates a strong will. This is the first time in Himachal's history that a government has proven its ability to translate its decisions into reality. The government, which is taking several steps to implement the vision of "Himachal Chandigarh," has acquired 8,000 bighas of land in its name in its report card. Clearly, development is now being focused on large projects, rather than schools, colleges, or medical institutions.

Preventing the resurgence of Maoists

The Modi government is ensuring security and development in Maoist-affected areas, while Union Home Minister Amit Shah has blamed the policies of previous Congress governments for the spread of Maoism. The article emphasizes the historical spread of Maoism, the role of various governments, and the need to prevent its resurgence in the future. The Modi government is focused on security and development in Maoist-affected areas. Shah blamed Congress policies for the rise of Maoism. Vigilance is essential to prevent the Maoists from resurfacing. Having eradicated the scourge of Maoism, the Modi government is now focused on ensuring security and development in Bastar, Union Home Minister Amit Shah blamed Maoism for the lack of development there, saying that non-BJP governments supported the campaign to eradicate Maoism, but the Congress government did not. It is important to consider how this storm, which arose from Naxalbari in Bengal in the 1960s, spread to approximately 150 districts in 14 states. How did the Maoists work to create a Red Corridor from Tirupati to Pashupatinath? Which governments allowed the Maoists, who killed thousands of innocent people, to flourish and promoted them as spoiled children? It's not without reason that PM Modi calls the Congress a supporter of Maoism. Congress has a history of supporting Maoism. It consistently portrayed Maoism as a socio-economic problem. This led to the spread of Maoism in the 1970s and 1980s. In the early 1990s, when the Maoists intensified their violent activities to create the Dandakaranya tribal state by merging Bastar in Chhattisgarh with parts of Odisha, Andhra Pradesh, and Maharashtra, Congress governments remained inactive. Hundreds of soldiers were martyred and innocent civilians were killed. The YSR Reddy government in Andhra Pradesh even held negotiations with the People's War Group in 2004. However, the TDP remained opposed. In 2003, Maoists even attacked then-Chief Minister Chandrababu Naidu. At one time, the Maoists established a junction in the south, which they called the KKT Zonal Committee. KKT stands for Kerala, Karnataka, and Tamil Nadu. The extent of the Maoists' influence in the south can be gauged from the fact that they learned the technique of IED blasts from the LTTE here. The Maoists also inflicted wounds on the Congress party. In 2013, they launched an ambush in the Jhiram Valley in Sukma district, Chhattisgarh, wiping out almost the entire leadership of the state Congress. After this, the Congress party's stance changed slightly, but from 2018 to 2023, the Baghel government in Chhattisgarh did not launch the necessary campaign against the Maoists. When March 31st was the deadline for eliminating Maoism, the Congress government in Telangana declared that no Maoist would be encountered in the state. This explains why, while Maoist encounters were taking place in other parts of the country, not a single major encounter was reported from Telangana. During the Chhattisgarh operation, Maoists were fleeing and taking refuge in the forests of Telangana, so only reports of Maoist surrenders came from there. Operations against Maoists were underway in various parts of the country, but the conflict zone was the forests of Bastar, Dandakaranya, and Abujhmad. This Dandakaranya shares borders with Telangana, Andhra Pradesh, and Odisha. The Maoists had a strong presence here. Abujhmad shares the Gadchiroli-Maharashtra border, which was officially declared Maoist-free last week after Operation Antim Prahar. The Congress party wasn't the only one lenient towards the Maoists. There were also numerous groups sympathetic to them. When Raman Singh's BJP government came to power in Chhattisgarh in 2003, a battalion of the Nagaland Armed Forces was brought to Bastar to train police and paramilitary forces in guerrilla warfare. It, along with Bijapur's Salwa Judum, exerted tremendous pressure on the Maoists. Salwa Judum was a group of villagers who rose up against the Maoists. Between 2005 and 2007, the Naga battalion shook the Maoists' roots. This was unacceptable to Maoist supporters. Leftists raised a hue and cry over the Naga battalion's deployment to Chhattisgarh. Finally, in 2007, it was recalled. This emboldened the Maoists. In 2007, they attacked and set fire to a police camp in Rani Bodli village, Bijapur, burning 55 soldiers alive. In 2010, the Maoists attacked Tarametla in Sukma, killing 76 CRPF personnel. 2010 was a year of the most violence. Maoist supporters also disrupted Salwa Judum, leading to a petition being filed in the Supreme Court. In 2011, Supreme Court Judge B. Sudarshan Reddy declared Salwa Judum illegal. Last year, the Congress nominated this same Sudarshan Reddy for the post of Vice President. Perhaps this is why Home Minister Amit Shah said that those who misled and played a bloody game against tribal people for decades have now conceded defeat, but they will not rest. They may return in disguise. Clearly, we must remain vigilant to ensure that the Maoists do not raise their heads again.

Education and Examinations Under Question

The cancellation of the NEET-UG exam due to the leaked paper has disappointed over 2.2 million students, raising questions about the functioning of the NTA. The NEET-UG paper leak has disappointed over 2.2 million students. The NTA's negligence and the growing influence of the coaching mafia are driving the implementation of the Radhakrishnan Committee's recommendations for exam reform. Recently, upon receiving information about the leak of the NEET-UG exam, the medical college entrance exam, the government decided to cancel and re-conduct it. This has understandably disappointed over 2.2 million students who had already taken the exam. They have been forced to prepare for the same exam again. After taking a competitive exam, students wait for the results without stress. This time, not only has their wait been prolonged, but they also have to prepare for the exam again. It is difficult for any student to take the same exam with the same enthusiasm they once did. The National Testing Agency (NTA), the exam conducting body, faced severe criticism due to its lack of vigilance. Despite this, it was fortunate that the crucial decision to cancel the entire exam was taken to prevent the students' interests from being compromised. Had this paper leak not been exposed or ignored, millions of students would have been wronged. In this case, along with the teachers who prepared the paper, some coaching center owners are also in the dock. The CBI, which is investigating the NEET paper leak, found that the exam papers reached some coaching centers, who then distributed them to various parts of the country, making money. It appears that the coaching mafia has taken control of both education and testing. It should be noted that the coaching mafia has previously leaked papers for several competitive exams. Recently, the Parliamentary Committee of the Ministry of Education summoned top officials of the Ministry of Education, including the Education Secretary, the NTA Chief, and its Director General, in connection with the NEET paper leak. During this period, an attempt was also made to politicize the NEET cancellation issue. This will not work. The Parliamentary Committee should ensure that future arrangements are made to prevent any NTA exam from being compromised. While the Ministry of Education has taken several steps to improve the NTA's system, their progress has been slow. The Radhakrishnan Committee, formed to improve the NTA's functioning after the NEET 2024 irregularities were revealed, has not yet implemented all its recommendations. Now, initiatives are underway to implement them. It would be good if other exam conducting institutions also consider this committee's recommendations, as our country's record of competitive exam paper leaks has become shameful. Why are exam papers not leaked in developed countries? Why does this problem seem to be rooted only in India? Why don't we use the same methods in conducting exams that developed countries have adopted? The Radhakrishnan Committee, formed to reform the NTA, recommended eliminating the process of physically transporting question papers to exam centers to avoid irregularities. Instead, a computer-based exam should be conducted, with question papers digitally sent to exam centers just before the exam begins. This committee suggested conducting the NEET in two phases: the first phase being a screening test and the second phase being the main exam. The committee observed that the NTA relied heavily on outsourcing and contractual staff. In light of this, it recommended recruiting permanent experts. Conducting the exam in accordance with these recommendations will prevent paper leakers, especially the coaching mafia, from sabotaging the exam. In today's AI era, a system can easily be developed to ensure each student receives a unique question paper and prevent dummy candidates from appearing. Since millions of families in India aspire to make their children doctors and engineers, the number of students appearing for these exams is increasing. Coaching centers are capitalizing on this. Coaching centers have sprung up in every city and town. They are luring students to enroll in coaching institutes as early as eighth grade. The growing coaching culture at every level poses a serious question to the education system. Why is it that students previously didn't need coaching for any competitive exams, but now it's becoming increasingly necessary to seek their services even for school-level exams? A vast network of coaching centers has sprung up in India, and neither educational institutions, the government, nor society are able to counter this. While it's right that weak students should receive tuition or coaching, it shouldn't be the case that every student is forced to rely on tuition and coaching. It's worrying that instead of curbing the coaching culture, it is flourishing. This is jeopardizing the very importance of schools and colleges. The new education policy has taken several measures to curb the coaching culture, but it's clear that it will take time, as this policy remains to be fully implemented. Many educational institutions are still lagging behind in implementing the new education policy. Some state governments have also adopted a lukewarm attitude towards this policy. It would be better if intermediate schools, whose students take medical and engineering exams,.

मुरादाबाद में 11 सेक्टर में बांटा ईदगाह क्षेत्र, 100 कैमरों से निगरानी, साढ़े सात बजे होगी बकरीद की नमाज

मुरादाबाद में बकरीदकी नमाज बृहस्पतिवार सुबह ईदगाह में सुबह 7ः30 बजे अदा की जाएगी। इसके साथ ही ईदगाह और मस्जिदों में विशेष तैयारियां की गई हैं। कई मस्जिदों में भीड़ को देखते हुए दो बार नमाज होगी। सुरक्षा व्यवस्था के तहत ईदगाह और आसपास के क्षेत्र को 11 सेक्टरों में बांटकर 500 पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है। मुरादाबाद में बकरीद (ईदुल अजहा) की नमाज ईदगाह में बृहस्पतिवार को सुबह 7ः30 बजे अदा की जाएगी। शहर के विभिन्न मस्जिदों में सुबह 5ः40 बजे से 8ः15 बजे तक बकरीद की नमाज अदा की जाएगी। इसके लिए ईदगाह और मस्जिदों में खास तैयारी की गई है। 28 मई को बकरीद मनाई जाएगी। इसके लिए मुस्लिम इलाकों में जोरशोर से तैयारी चल रही है। शहर से लेकर गांव तक जानवरों के बाजार सज रहे हैं। जहां कुर्बानी के लिए जानवरों की खरीदारी के लिए लोगों की भीड़ जुट रही है। बकरीद की नमाज के बाद कुर्बानी का सिलसिला शुरू होगा। शहर की मस्जिदों में बकरीद की नमाज सुबह 5ः40 बजे से हो नमाज की शुरुआत सुबह 5ः40 बजे से हो जाएगी। शहर की अलग-अलग मस्जिदों में अलग-अलग समय पर 8ः15 बजे तक बकरीद की नमाज अदा की जाएगी। कुछ मस्जिदों में भीड़ को देखते हुए बकरीद की नमाज दो बार अदा की जाएगी। ईदगाह में बकरीद की नमाज सुबह 7ः30 बजे अदा की जाएगी।11 बजे होगी निगरानी- बकरीद की नमाज सेक्टर में बांटा ईदगाह क्षेत्र, 100 कैमरों से को 11 सेक्टर में बांट दिया गया के मद्देनजर ईदगाह और उसके आसपास के क्षेत्र निगरानी की जाएगी। इसके है। इस पूरे क्षेत्र में 100 सीसीटीवी कैमरों से

सिटी कुमार रण विजय सिंह ने बताया कि ईदगाह और उसके आसपास के क्षेत्र को 11 सेक्टरों में बांटा गया है। हर सेक्टर की जिम्मेदारी सीओ और इंस्पेक्टर स्तर के अधिकारियों को दी गई है। दस सीओ के नेतृत्व में करीब 500 पुलिसकर्मियों को लगाया गया है। 100 से अधिक सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। ईदगाह के सामने स्थित बिल्डिंग में कंट्रोल रूम बनाया गया है, जहां से नियमित निगरानी की जाएगी। इस दौरान ड्रोन कैमरे से भी निगरानी होगी।ईदगाह रोड पर नमाज के दौरान बंद रहेगा यातायात- बकरीद के दिन नमाज के दौरान ईदगाह रोड पर यातायात बंद रहेगा। इसके अलावा 28 मई की छह बजे से दोपहर 12 बजे तक ईदगाह के आसपास वाहनों का प्रवेश पूरी तरह बंद रहेगा। एसपी यातायात सुभाष चंद्र गंगवार ने बताया कि रूट डायवर्जन का सख्ती से पालन करने के लिए जगह जगह यातायात पुलिस के सिपाही तैनात रहेंगे और ईदगाह की ओर जाने वाले रास्तों पर बैरियर भी लगाए जाएंगे।क्रमांक मस्जिद का नाम नमाज का समय 1 रबिया मस्जिद, अकबर फैक्टरी करुला सुबह 5ः40 बजे 2 सुनहरी मस्जिद सुबह 5ः40 बजे 3 मस्जिद ताज वाली, मंडी बांस सुबह 5ः40 बजे 4 मस्जिद चमन, मंडी बांस सुबह 5ः45 बजे 5 मस्जिद बुढ़िया वाली, तहसील स्कूल सुबह 5ः45 बजे 6 इमली वाली मस्जिद, कंबल का ताजिया सुबह 5ः45 बजे 7 मस्जिद मौलाना वाली, टोबैको स्ट्रीट सुबह 5ः45 बजे 8 मस्जिद सलाम, टोबैको स्ट्रीट सुबह 5ः45 बजे 9 बटन वाली मस्जिद सुबह 5ः45 बजे 10 मस्जिद-ए-गौसे आजम, चक्कर की मिलक सुबह 5ः45 बजे 11 गरियो वाली मस्जिद, गलशहीद सुबह 5ः50 बजे 12 होम गार्ड मस्जिद सुबह 5ः50 बजे 13 मस्जिद साएदिया, मंडी बांस सुबह 5ः50 बजे 14 मस्जिद बिलारी, एकता विहार नार्थ सुबह 6ः00 बजे 15 पठानों वाली मस्जिद, भट्टी मोहल्ला सुबह 6ः00 बजे 16 मस्जिद अरफा, जौकी गेट पंडित नगला सुबह 6ः00 बजे 17 मस्जिद-ए-नबवी, जिगर कॉलोनी सुबह 6ः15 बजे 18 जकारिया मस्जिद, सुल्तान हॉस्पिटल के पास सुबह 6ः15 बजे 19 मस्जिद उमर फारुक, वार्ड-20 सुबह 6ः30 बजे 20 अमतुल विहार बिलाल मस्जिद सुबह 6ः30 बजे 21 मदीना मस्जिद, अकबर फैक्टरी करुला सुबह 6ः30 बजे 22 मदरसा दारुल उलूम वादी-ए-हुदा, शहीदाबाद सुबह 6ः30 बजे 23 सायरा मस्जिद, शम्सी कॉलोनी करुला सुबह 6ः30 बजे 24 मस्जिद अरकम सुबह 6ः30 बजे 25 मस्जिद अन-नूर, पीरगैब सुबह 6ः30 बजे 26 मस्जिद कोयल वाली, लाकड़ीवालान सुबह 6ः30 बजे 27 लाल स्कूल वाली मस्जिद, मुगलपुरा सुबह 6ः45 बजे 28 मासूम मस्जिद, तारीख नगर सुबह 7ः00 बजे 29 मक्का मस्जिद, अकबर फैक्टरी करुला सुबह 7ः00 बजे 30 मरकज वाली मस्जिद, सराय पुख्ता सुबह 7ः00 बजे 31 मैदान वाली मस्जिद, रफतपुरा सुबह 7ः00 बजे 32 मदरसा जामिया नईमिया सुबह 7ः15 बजे 33 मस्जिद उमर फारूक, इंद्रा चौक सुबह 7ः30 बजे 34 मस्जिद ख्वाजा मुस्तफा साहब, मुगलपुरा सुबह 7ः45 बजे 35 मस्जिद मुश्ताक मंजिल सुबह 8ः00 बजे 36 मस्जिद यतीमखाना, फैजगंज सुबह 8ः00 बजे और 9ः00 बजे 37 जिगर कॉलोनी, जे ब्लॉक सुबह 8ः15 बजेडीएम-एसपी ने किया फ्लैग मार्च- करीद को शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने के लिए प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड पर नजर आ रहा है। संभल में सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद रखने के लिए डीएम और एसपी कृष्ण कुमार बिश्नोई ने नखासा और कोतवाली क्षेत्र में भारी पुलिस बल के साथ पैदल गश्त कर लोगों को सुरक्षा का भरोसा दिलाया।

पेड़, पंडाल और फिर मंदिर, बेकाबू डंपर ने मासूम समेत तीन को कुचला; अमरोहा हादसे में बड़ा खुलासा

अमरोहा में मंदिर पर रामायण पाठ में मौजूद श्रद्धालुओं को बेकाबू डंपर ने कुचल दिया। मासूम समेत तीन लोगों की मौत हो गई। डंपर के रौंदने से तीन की मौत और कई श्रद्धालुओं के घायल होने से फैली उत्तेजना के कारण अमरोहा देहात थाने के अलावा कई थानों की फोर्स मौके पर भेजी गई। अमरोहा के देहात थाना इलाके के कोठी खिदमतपुर के पास मंगलवार शाम करीब छह बजे हनुमान मंदिर में रामायण पाठ के समय परिसर और बाहर पंडाल में मौजूद श्रद्धालुओं को एक डंपर ने रौंद दिया। इस हादसे में पांच वर्षीय बालक समेत तीन श्रद्धालुओं की मौत हो गई। चपेट में आए कई लोग घायल हैं, जिनमें से पांच की हालत गंभीर है। हादसे से आक्रोशित श्रद्धालुओं ने शव रखकर अमरोहा-कांठ रोड जाम कर दिया। मौके पर दौड़े आला अफसरों को जाम खुलवाने और भीड़ को शांत करने में दो घंटे मशक्कत करनी पड़ी। पुलिस ने बताया कि डंपर में बजरी भरी थी। मंदिर के पास से गुजरते समय अचानक अनियंत्रित हुए डंपर ने पहले पेड़ में टक्कर मारी और फिर मंदिर के आगे पंडाल में मौजूद श्रद्धालुओं को कुचलते हुए मंदिर से टकराकर रुका।चालक डंपर से कूदकर भाग गया, जिससे डंपर बेकाबू होने की वजह अभी स्पष्ट नहीं हो सकी है। इस हादसे में छावी गांव निवासी परम सिंह (70), नारायणपुर निवासी महिपाल (42) और रजबपुर थानाक्षेत्र के शहबाजपुर पट्टी निवासी आर्यवीर (5) की मौके पर ही मौत हो गई।मासूम आर्यवीर अपनी ननिहाल छावी गांव आया हुआ था और बड़े मंगल पर हो रहे पाठ में शामिल होने मंदिर पहुंचा था। हादसे में घायल हुए लोगों को पुलिस ने अस्पताल भिजवाया। इनमें से पांच की हालत गंभीर बताई गई है।शवों को देखकर उत्तेजित हुए लोगों ने शाम को करीब 6.30 बजे महिपाल का शव अमरोहा-कांठ रोड पर रखकर जाम लगा दिया। हालात देख कई थानों की

पुलिस और जिला मुख्यालय के अफसर वहां पहुंच गए। गुस्साए लोग मृतकों के परिजनों को मुआवजा, भागे डंपर चालक को सजा समेत कई मांगें उठा रहे थे। अफसर बमुश्किल लोगों को समझाकर करीब 8.30 बजे जाम खुलवाने में कामयाब हो सके। उसके बाद पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए शव कब्जे में लिए। तनाव और उत्तेजना देख क्षेत्र में अब भी पुलिस तैनात है, जबकि कुछ अफसरों की भी ड्यूटी लगाई गई है।उत्तेजना के साथ बढ़ते रहे अफसर- डंपर के रौंदने से तीन की मौत और कई श्रद्धालुओं के घायल होने से फैली उत्तेजना के कारण अमरोहा देहात थाने के अलावा कई थानों की फोर्स मौके पर भेजी गई। नौगावां सादात सीओ अवधभान भदोरिया, सीओ सिटी अभिषेक यादव, एसडीएम सदर सुनीता भी मौके पर पहुंचे। कुछ समय बाद डीएम और एसपी ने भी मौके पर पहुंचकर लोगों को समझाया। अधिकारियों ने कहा कि डंपर चालक की तलाश के लिए टीमें सक्रिय की गई हैं।बड़े मंगल पर आयोजन में जुटे थे कई गांव के लोग- हनुमान मंदिर पर रामायण पाठ का आयोजन ज्येष्ठ माह के चौथे बड़े मंगल पर किया जा रहा था। शाम करीब 5.30 बजे शुरू हुए पाठ में कोठी खिदमतपुर, नारायनपुर, छावी, चाऊपुरा समेत नजदीकी गांवों से आए श्रद्धालुओं की संख्या अधिक थी। इसके चलते मंदिर के बाहर पंडाल की व्यवस्था की गई थी। करीब छह बजे पंडाल में बैठे श्रद्धालुओं को डंपर ने रौंदा तो चीख-पुकार और भगदड़ मच गई।पेड़ से टकराने के बाद अनियंत्रित होकर मंदिर परिसर में घुसा, जांच जारी- मंदिर में हुए हादसे में अब बड़ा खुलासा सामने आया है। पुलिस जांच में पता चला है कि हादसे में शामिल डंपर हरियाणा नंबर का था, जो पहले सड़क किनारे एक पेड़ से टकराया था। टक्कर के बाद वाहन अनियंत्रित हो गया और सीधे मंदिर परिसर की ओर बढ़ गया, जहां उसने श्रद्धालुओं को कुचलते हुए गंभीर दुर्घटना को अंजाम दिया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है और वाहन मालिक व चालक की तलाश की जा रही है। पल भर में मची चीख-पुकार- हनुमान मंदिर में चल रहे रामायण पाठ के दौरान श्रद्धालु पूरी तरह भक्ति में लीन होकर पूजा-अर्चना में जुटे हुए थे। मंदिर परिसर में सन्नाटा और भक्ति का माहौल था, तभी अचानक सड़क की तरफ से तेज रफ्तार डंपर आ गया। अनियंत्रित वाहन ने देखते ही देखते भीड़ को कुचलना शुरू कर दिया, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई। लोग कुछ समझ पाते और अपनी जान बचाने के लिए भागते, इससे पहले ही बड़ा हादसा हो चुका था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, किसी को संभलने या सुरक्षित स्थान पर जाने का समय तक नहीं मिला। टक्कर के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई और श्रद्धालु जान बचाने के लिए इधर-उधर भागते नजर आए। हादसे ने पूरे इलाके को दहला दिया।डीएम ने दिए तत्काल कार्रवाई के निर्देश हनुमान मंदिर हादसे में जान गंवाने वाले परम सिंह और महिपाल सिंह के परिजनों को अब कृषक दुर्घटना बीमा योजना के तहत आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।जिला प्रशासन ने मामले को गंभीरता से लेते हुए मुआवजा प्रक्रिया को तेजी से आगे बढ़ाने के निर्देश जारी किए हैं। डीएम ने संबंधित तहसील अधिकारियों को तत्काल आवश्यक दस्तावेजी कार्रवाई पूरी कर लाभार्थी परिवारों को जल्द से जल्द सहायता राशि दिलाने के आदेश दिए हैं। डीएम कहना है कि प्रभावित परिवारों को किसी प्रकार की आर्थिक परेशानी न हो, इसके लिए प्रक्रिया को प्राथमिकता के साथ पूरा किया जा रहा है।मृतकों के परिजनों को दिया जाए 25-25 लाख- पूर्व सांसद कुंवर दानिश अली ने एक्स पर पोस्ट कर चक-छाबी गांव में हादसे में तीन लोगों की मौत पर शोक जताया है। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मृतकों परिवार वालों को राहत कोष से 25-25 लाख रुपये की आर्थिक मदद की मांग की है।धेवते के साथ रहते थे परम सिंह, रामायण पाठ में गया मासूम भी हादसे का शिकार- हनुमान मंदिर में हुए हादसे में जान गंवाने वाले 70 वर्षीय परम सिंह छावी गांव के रहने वाले थे और वह अकेले रहते थे। परिवार में कोई करीबी सदस्य नहीं होने के कारण पिछले लंबे समय से उनके धेवते ही उनकी देखभाल कर रहे थे। हादसे में मृत 5 वर्षीय आर्यवीर अपनी मां के साथ रामायण पाठ में शामिल होने आया था और भक्ति के माहौल में बैठा था, तभी यह हादसा हो गया। वहीं तीसरे मृतक महिपाल सिंह पेशे से किसान थे। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में शोक और मातम का माहौल है।

संक्षिप्त समाचार

रोडवेज और कार की भिड़ंत में छात्रा की मौत, दूल्हा-दुल्हन समेत सात लोग घायल, लग गया जाम

मुरादाबाद-आगरा हाईवे पर कुंदरकी क्षेत्र में रोडवेज और कार की भिड़ंत में सातवीं छात्रा की मौत हो गई। कार में सवार दूल्हा-दुल्हन समेत सात लोग घायल हो गए। परिवार उत्तराखंड से कुलदेवी

के दर्शन के लिए संभल जा रहा था। मुरादाबाद-आगरा नेशनल हाईवे पर बुधवार सुबह कुंदरकी थाना क्षेत्र के गांव हुसैनपुर छिरावली के पास रोडवेज और कार की आमने-सामने भिड़ंत में एक छात्रा की मौत हो गई। हादसे में दूल्हा-दुल्हन समेत सात लोग घायल हो गए। घटना के बाद अफरातफरी मचने से जाम लग गया।पुलिस ने घायलों को अस्पताल भिजवाया और दोनों वाहनों को कब्जे में ले लिया। उत्तराखंड के टिहरी गढ़वाल स्थित एम ब्लॉक मोल धार निवासी परिवार कार से संभल जिले के कादराबाद स्थित प्राचीन काली माता मंदिर में कुलदेवी के दर्शन और जात लगाने जा रहा था।सुबह मुरादाबाद की ओर जा रही रोडवेज बस से कार की सीधी भिड़ंत हो गई। हादसे में कक्षा सात की छात्रा पायल (13) पुत्री रामदास की मौत हो गई। वहीं स्वाति (30) पत्नी राहुल, अमित (26) पुत्र रामविलास, नेहा (25) पत्नी अमित, रामविलास (60) पुत्र लल्लू, आरुष (2) पुत्र राहुल, रित्विक (1) पुत्र अनिल और रेखा (28) पत्नी अनिल घायल हो गए।सभी घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया गया कि कार चला रहा अमित टिहरी में मशीन ऑपरेटर है। उसकी मंगलवार को ही शादी हुई थी। शादी के अगले दिन वह पत्नी और परिवार के साथ कुलदेवी के दर्शन के लिए निकला था लेकिन रास्ते में यह हादसा हो गया। पुलिस के मुताबिक हादसे के बाद रोडवेज बस चालक मौके से फरार हो गया। थाना प्रभारी हम्बीर सिंह जादौन ने बताया कि तहरीर मिलने पर रिपोर्ट दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

संभल में बकरीद पर हाई अलर्ट: डीएम-एसपी ने किया फ्लैग मार्च, संवेदनशील इलाकों में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात

बकरीद पर डीएम और एसपी पुलिस बल के साथ पैदल गश्त कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। संवेदनशील इलाकों में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। प्रशासन ने कुर्बानी सार्वजनिक स्थानों पर न करने के निर्देश दिए हैं। बकरीद को शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने के लिए प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड पर नजर आ रहा है। संभल में सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद रखने के लिए डीएम और एसपी कृष्ण कुमार बिश्नोई ने नखासा और कोतवाली क्षेत्र में भारी पुलिस बल के साथ पैदल गश्त कर लोगों को सुरक्षा का भरोसा दिलाया।अधिकारियों ने बाजारों, संवेदनशील इलाकों और प्रमुख मार्गों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा लोगों से आपसी भाईचारा और शांति बनाए रखने की अपील की। पैदल गश्त के दौरान अधिकारियों ने पुलिस कर्मियों को लगातार भ्रमणशील रहने, संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने और प्रभावी चेकिंग अभियान चलाने के निर्देश दिए। प्रशासन की ओर से संवेदनशील क्षेत्रों में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती भी की गई है। जिससे की किसी प्रकार की अव्यवस्था न फैल सके। बृहस्पतिवार को बकरीद मनाई जाएगी। गुन्नौर और गांव सैंजना मुस्लिम समेत करीब 30 मस्जिदों में नमाज अदा की जाएगी। त्योहार को लेकर प्रशासन ने व्यापक सुरक्षा इंतजाम किए हैं। गुन्नौर कोतवाली प्रभारी संजय कुमार ने बताया कि बकरीद के मद्देनजर 70 से अधिक पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगाई गई है। साथ ही कुर्बानी के बाद निकलने वाले अपशिष्ट को निर्धारित गड्ढों में ही डालने के निर्देश दिए गए हैं। पशुपालकों को नोटिस जारी कर त्योहार के दौरान पशुओं को खुले में न छोड़ने की हिदायत भी दी गई है। बताया गया कि नगर गुन्नौर की आबादी करीब 50 हजार है, जिसमें लगभग 70 प्रतिशत मुस्लिम परिवार निवास करते हैं। नगर में जामा मस्जिद, सुन्नी नूरानी मदीना मस्जिद, लाल मस्जिद, मजनू शाह मस्जिद, दालान वाली मस्जिद, काजियान मस्जिद और रजा मस्जिद समेत 30 से अधिक मस्जिदों में बकरीद की नमाज अदा की जाएगी।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

स्टेडियम नाइट्स और ब्लास्टर ने अपने अपने मैच जीते

क्यूँ न लिखूँ सच/पं सत्यमशर्मा / बरेली। स्पोर्ट्स स्टेडियम बरेली में क्रिकेट कैंप स्टेडियम द्वारा आयोजित ग्राउंड वाले अंडर 15 क्रिकेट टूर्नामेंट का शुभारंभ हुआ जिसमें पहला मैच स्टेडियम स्मैशशर्स और स्टेडियम नाइट्स के बीच खेला गया टॉस जीतकर स्टेडियम इस ने 16 ओवर में सभी विकेट होकर 150 रन बनाएं जिसमें सबसे ज्यादा रन विवान गंगवार ने 30 और मोहम्मद अर्सल ने 16 रनों का योगदान दिया नाइट्स के लिए गेंदबाजी में फैजान ने चार इम्तियाज और हिमांशु मौर्य ने दो-दो विकेट लिए लक्ष्य का पीछा करने उतरी स्टेडियम नाइट्स की टीम ने लक्ष्य 19.4 ओवर में 9 विकेट खोकर प्राप्त कर लिया जिसमें कार्तिक गंगवार ने 39 हिमांशु मौर्य ने 31 आकाश गुप्ता ने 27 रनों की बहुमूल्य पारी खेली इसमेशर के लिए गेंदबाजी में विवान गंगवार ने हैट्रिक लगाते हुए तीन मोहम्मद अरशद ने दो विकेट प्राप्त किया इस प्रकार यह मैच स्टेडियम नाइट्स ने एक विकेट से जीतकर अपने नाम किया अंत में आज के प्लेयर ऑफ द मैच संयुक्त रूप से दो खिलाड़ी को दिया गया एक हिमांशु मौर्य और दूसरे विवान गंगवार को दिया गया आज का दूसरा मैच स्टेडियम किंग्स और स्टेडियम ब्लास्ट के बीच खेला गया जिसमें ब्लास्टर ने किंग्स को 94 रनों से हराकर अपने मैच जीता टॉस जीतकर ब्लास्टर के कप्तान हिमेश गंगवार ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवरों में तीन विकेट होकर 192 बनाए जिसमें सर्वाधिक रन बिजनेस ने नाबाद 79 कप्तान हिमेश कुमार गंगवार ने 42 रनों का योगदान दिया किंग्स के लिए गेंदबाजी में बशर मयंक ने एक-एक विकेट प्राप्त किया। लक्ष्य का पीछा करते हुए किंग्स की पूरी टीम 15 पॉइंट तीन ओवर में मात्र 98 रन पर ढेर हो गई जिसमे सुमित मौर्या और प्रकाश पटेल ने 16 रनों का योगदान दिया ब्लास्ट के लिए गेंदबाजी में राजवीर सुबोध और बिजनेस ने दो-दो विकेट प्राप्त किया अंत में मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार बिजनेस को उनकी हरफ़नमौला प्रदर्शन के लिए दिया गया। इससे पूर्व आज प्रतियोगिता का उद्घाटन रेलवे इज्जतनगर के क्रीड़ा अधिकारी श्री राजकुमार एवं एस आर डी स्पोर्ट्स के ओनर अंबुज द्विवेदी ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया इस अवसर पर मुस्तकीम सोनू श्रोत्रिय मोहम्मद कमर अब्दुल जीशान कैफ मनोज सागर बंटी मौर्य अंशु दिवाकर कबीर नियाजी आदि गणमान्य लोग उपस्थित रहे टूर्नामेंट आ योजन के अनुसार कल दो मैच खेले जाएंगे पहला मैच रहा था 7-00 बजे से और दूसरा मैच दोपहर 3-00 बजे से खेला जाएगा

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में रेड क्रॉस सोसाइटी की बैठक सम्पन्न

क्यूँ न लिखूँ सच/ जिलाधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह की अध्यक्षता में रेड क्रॉस समिति की बैठक गांधी सभागार में सम्पन्न हुई। बैठक के दौरान समिति के कार्यों की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने समिति की कार्यप्रणाली में पारदर्शिता बनाए रखने पर विशेष बल दिया। उन्होंने कहा कि रेड क्रॉस समिति समाजसेवा और जनहित के महत्वपूर्ण कार्यों से जुड़ी संस्था है, इसकी गतिविधियों का संचालन पूर्ण पारदर्शिता एवं उत्तरदायित्व के साथ किया जाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि रेड क्रॉस समिति द्वारा आयोजित किए जाने वाले रक्तदान शिविर एवं अन्य कार्यक्रम की सूचना सभी सदस्यों को ससमय उपलब्ध कराई जाए। बैठक में समिति के नवीन गठन के संबंध में भी चर्चा की गई। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि समिति का नया गठन निर्धारित नियमों एवं प्रक्रियाओं के अनुरूप समयबद्ध ढंग से कराया जाए। साथ ही समिति में सक्रिय, समाजसेवा के प्रति समर्पित एवं योग्य व्यक्तियों को प्राथमिकता दिए जाने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि रेड क्रॉस के माध्यम से जरूरतमंद लोगों तक सहायता एवं सेवाएं प्रभावी ढंग से पहुंचनी चाहिए तथा समिति की गतिविधियों को और अधिक सक्रिय बनाया जाए। बैठक में मुख्य चिकित्साधिकारी, जिला विद्यालय निरीक्षक, संबंधित अधिकारी एवं समिति से जुड़े पदाधिकारी/सदस्य उपस्थित रहे।

बिजली कटौती से फीकी पड़ रही सोने की चमक, स्वर्णकारी का काम हो रहा प्रभावित

बरेली में भीषण गर्मी के बीच लगातार बिजली कटौती से सराफा कारोबार से जुड़े कारीगरों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। इससे सोने के गहने बनाने का काम बुरी तरह प्रभावित हो रहा है।बरेली में भीषण गर्मी के बीच लगातार हो रही बिजली कटौती ने सराफा कारोबार से जुड़े कारीगरों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। बिना कूलर और पंखे के बंद कमरों में स्वर्णकारी की जाती है। दिन में 40 डिग्री से अधिक पारा होने के चलते काम करना संभव नहीं होता। रात में बिजली कटौती के चलते काम प्रभावित हो रहा है। इसका असर सोने की चमक पर भी पड़ रहा है।कारोबारियों के मुताबिक, शहर में स्वर्णकारी का काम छोटी बमनपुरी, बड़ी बमनपुरी और पुराना शहर में होता है। इन इलाकों में सघन बस्ती है। गर्मी के लोकल फाल्ट के चलते बिजली गुल होने की समस्या भी सबसे ज्यादा इन्हीं इलाकों में रहती है। रात में भी बमुश्किल चार से पांच घंटे ही बिजली मिलती है। वोल्टेज घटने-बढ़ने से स्वर्णकारी आशंका रहती है। भरपूर जल्द डिस्चार्ज हो जाते फिलहाल कोई त्योहार और दिनों के ऑर्डर इसी दौरान ग्राहकों को गहने मिल सकें।

संबंधी उपकरणों के फुंकने की बिजली न आने से इन्वर्टर भी हैं।कारीगरों ने बताया कि सहालग सीजन न होने से आगामी बनाए जाते हैं ताकि समय पर लेकिन बिजली बाधित होने से सामान्य दिनों में चार दिन में तैयार होने वाले ऑर्डर को बनाने में आठ से दस दिन लग रहे हैं। बार-बार बिजली गुल होने से काम में निखार भी कम आ पा रहा है।जनरेटर चलाएंगे तो खर्चा निकालना होगा मुश्किल-स्वर्णकार दिनेश वर्मा के मुताबिक, सोने के दाम पहले ही डेढ़ लाख के पार हैं। डीजल की कीमत भी बढ़ती जा रही है। गहनों की मेकिंग अगर जनरेटर चलाकर होगी तो मुनाफा तेल में ही निकल जाएगा। कारीगरों को मेहनताना दे पाना भी कठिन होगा। गर्मी के चलते दिन में काम के बजाय देर रात तक ज्वेलरी पॉलिशिंग, डिजाइनिंग, फिनिशिंग का काम कर रहे हैं, ताकि ऑर्डर समय पर पूरे किए जा सकें। धीमी पड़ रही काम की रफ्तार, नोकझोंक की नौबत- स्वर्णकार विशाल रस्तोगी के मुताबिक, बिजली गुल रहने से सुनारी काम की रफ्तार धीमी पड़ गई है। हालात यह हैं कि आभूषणों के ऑर्डर समय पर तैयार नहीं हो पा रहे हैं, जिससे स्वर्णकार और सराफा कारोबारियों के बीच नोकझोंक की नौबत आ रही है। ग्राहक तय तारीख पर ही ऑर्डर लेने पहुंचते हैं लेकिन उत्पादन प्रभावित होने से समय पर डिलीवरी मुश्किल हो रहा है। अफसरों के सामने उठा मुद्दा, स्थिति बदहाल- बरेली सराफा एसोसिएशन के महामंत्री दिनेश अग्रवाल के मुताबिक सोने-चांदी के आभूषण बनाने में लगातार बिजली मिलना जरूरी है। कास्टिंग, डाई कटिंग, पॉलिशिंग, डिजाइनिंग जैसे तमाम काम मशीनों पर निर्भर हैं। बार-बार बिजली जाने से काम बीच में रुकता है, गुणवत्ता पर भी असर पड़ता है। पूर्ति की मांग की है पर अब तक कोई सुधार नहीं हुआ।

न्यूरिया थाने की ओर से राहगीरों के लिए लगाया गया प्याऊ

क्यूँ न लिखूँ सच/ मोहम्मद सलीम / उत्तर प्रदेश के जनपद पीलीभीत में भीषण गर्मी और तेज धूप को देखते हुए न्यूरिया थाना पुलिस की ओर से मानवता और जनसेवा की मिसाल पेश की गई। थाना परिसर के बाहर आम राहगीरों, वाहन चालकों और क्षेत्रीय लोगों के लिए ठंडे पानी और बेल के जूस का प्याऊ लगाया गया, जहां लोगों को शीतल जल एवं बेल का जूस पिलाकर गर्मी से राहत दिलाई जा रही है। थाना प्रभारी सुभाष मावी एवं दरोगाओं के

साथ पुलिसकर्मियों ने राह चलते लोगों को रुकवाकर पानी एवं बेल का जूस पिलाया और गर्मी से बचाव के लिए जागरूक भी किया। इस पहल की क्षेत्रवासियों ने सराहना करते हुए कहा कि पुलिस केवल कानून व्यवस्था ही नहीं बल्कि समाज सेवा में भी लगातार आगे आ रही है। प्याऊ पर आने वाले लोगों के लिए साफ-सफाई और ठंडे पानी की विशेष व्यवस्था की गई है, ताकि भीषण गर्मी में किसी को परेशानी का सामना न करना पड़े। पुलिस की इस सराहनीय पहल से लोगों को काफी राहत मिल रही है।

बहू ने पीटा तो सास ने खाया जहर, जिला अस्पताल में भर्ती; पिटाई का वीडियो वायरल

बरेली के मलूकपुर में एक महिला ने अपनी सास की पिटाई कर दी, जिससे आहत होकर सास ने जहरीला पदार्थ कर लिया। पीड़ित ने बेटे पर प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है।बरेली के किला थाना क्षेत्र के मलूकपुर में घरेलू विवाद ने गंभीर रूप ले लिया। बेटे और बहू की कथित प्रताड़ना से परेशान होकर 58 वर्षीय अनुपम रस्तोगी ने बुधवार को जहरीला पदार्थ खा लिया, जिससे उनकी हालत बिगड़ गई। परिजनों ने उन्हें जिला अस्पताल की इमरजेंसी में भर्ती कराया, जहां उनका उपचार चल रहा है। उनकी हालत नाजुक बताई जा रही हैजिला अस्पताल में अनुपम के पति राजीव रस्तोगी ने जानकारी दी कि उनका छोटे बेटा और बहू मकान पर कब्जा करना चाहते हैं। इस बात को लेकर आए दिन घर में विवाद होता रहता था। आरोप है कि कई बार बेटे और बहू ने उनके साथ मारपीट भी की, जिसकी शिकायत किला थाने में की गई थी, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई।बहू ने पीटा तो खाया जहर - बुधवार को एक बार फिर विवाद बढ़ गया। झगड़े के दौरान बहू ने अनुपम रस्तोगी की पिटाई कर दी। इससे आहत होकर अनुपम रस्तोगी ने घर में रखा जहरीला पदार्थ खा लिया। हालत बिगड़ने पर पति और छोटी बेटी उन्हें तत्काल जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। इधर, बहू द्वारा अनुपम रस्तोगी की पिटाई का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। पति राजीव रस्तोगी की शिकायत और वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने मामले का संज्ञान लेते हुए आरोपी पुत्र और बहू के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है।

बरेली में दर्दनाक हादसा: उल्टी आने पर ट्रेन के दरवाजे से गिरी विवाहिता, पोल से टकराया सिर, मौके पर मौत

बरेली के भमोरा इलाके में बुधवार सुबह दर्दनाक हादसा हुआ। अपने परिवार के साथ पूर्णागिरी धाम से लौट रही विवाहिता चलती ट्रेन से गिर गई। उसका सिर पोल से टकराया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। बरेली में पूर्णागिरी देवी के दर्शन कर लौट रही 25 वर्षीय महिला की बुधवार सुबह ट्रेन से गिरकर मौत हो गई। यह घटना भमोरा थाना क्षेत्र में रम्पुरा अंडरपास के पास हुई। महिला गर्मी और उमस के कारण उल्टी करने के लिए ट्रेन के दरवाजे पर बैठी थी। इसी दौरान हादसा हो गया।मृतक महिला

की पहचान बदायूं के कादरचौक थाने के गांव बमनौसी निवासी खुशबू गुप्ता के रूप में हुई है। वह अपने पति अंकित माहेश्वरी और मां के साथ यात्रा कर रही थी। खुशबू नवंबर में ही शादी के बंधन में बंधी थी। ट्रेन से गिरने के बाद उसका सिर लोहे के पोल से टकरा गया। उसे गंभीर चोटें आईं। अत्यधिक खून बहने के कारण उसकी मौके पर ही मौत हो गई। भमोरा थाना पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया।ऐसे हुआ हादसा - खुशबू गुप्ता पूर्णागिरी देवी के दर्शन कर अपने घर लौट रही थीं। यात्रा के दौरान उन्हें गर्मी और उमस के कारण जी मिचलाने लगा। उल्टी आने की बात कहकर वह ट्रेन के दरवाजे पर बैठ गई थीं। इसी दौरान वह अचानक ट्रेन से नीचे गिर गईं। उनके सिर में गंभीर चोटें आईं, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

मस्जिदों में ईद-उल-अजहा की नमाज के वक्त का एलान, बाजार में छाई रौनक

ईद-उल-अजहा 28 मई को है। बरेली की मस्जिदों में नमाज का समय घोषित कर दिया गया है। मुख्य नमाज बाकरगंज स्थित ईदगाह में सुबह 10 बजे अदा की जाएगी।ईद-उल-अजहा (बकरीद) 28 मई को मनाई जाएगी। इसको लेकर बरेली के ईदगाह सहित शहर भर की सभी मस्जिदों, खानकाह और दरगाह कमेटियों ने नमाज के वक्त का एलान कर दिया है। मुख्य नमाज बाकरगंज स्थित ईदगाह में सुबह 10 बजे अदा की जाएगी। शहर में सबसे पहले बाजार संदल खान स्थित दरगाह वली मियां की चांद मस्जिद में सुबह पांच बजकर 35 मिनट पर नमाज अदा की जाएगी। जखीरा की दुलिया वाली मस्जिद में 5-40 बजे से यह सिलसिला रहेगा। आला हजरत दरगाह के मीडिया प्रभारी नासिर कुरैशी के अनुसार सबसे आखिर में दरगाह की रजा मस्जिद में सुबह 10-30 बजे नमाज होगी।सुबह छह बजे कुतुबखाना चौराहे वाली मस्जिद, बड़ा बाजार की बादशाह वेगम मस्जिद और सुबह 6-15 बजे मलूकपुर की नूरी रजा तंबाकू वाली मस्जिद व हजियापुर की हसनैनी मस्जिद में नमाज अदा की जाएगी। सुबह 6-30 बजे दरगाह ताजुश्शरिया, रेलवे जंक्शन की नूरी मस्जिद, कांकर टोला की छः मीनारा मस्जिद, किला थाने की शाही मस्जिद में नमाज अदा होगी। सुबह 6- 45 बजे दरगाह शाह शराफत अली मियां हजियापुर की मदीना मस्जिद, ब्रह्मपुरा की सैय्यदों वाली मस्जिद में नमाज होगी। वाली मस्जिद, सिटी स्टेशन वाली मस्जिद, मॉडल टाउन चौकी की मुस्तफाई मस्जिद, पीरबहोड़ा की हुसैनी मस्जिद, कांकर टोला की नूरानी मस्जिद में नमाज होगी।सुबह 8-30 बजे खानकाह नियाजिया, गुलाब नगर की दरगाह बशीर मियां, बाकरगंज की दरगाह रफीकुल औलिया, कचहरी वाली मस्जिद, घेर जाफर खान की मिर्जाई मस्जिद, आजम नगर की हरी मस्जिद, इज्जतनगर की मौजू शाह बाबा की मस्जिद में नमाज होगी।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

जिला अस्पताल में फीवर वार्ड फुल, इमरजेंसी वार्ड तैयार

क्यूँ न लिखूँ सच/पं सत्यमशर्मा / बरेली। भीषण गर्मी और उमस के चलते डायरिया, बुखार का हमला लगातार बढ़ता जा रहा है। अस्पतालों में मरीजों की खासी भीड़ इलाज कराने

उमड़ रही है। जिला अस्पताल का फीवर वार्ड फुल हो गया है। यहां सभी बेड भर गए हैं। मरीजों की बढ़ती संख्या को देखते हुए अस्पताल प्रबंधन ने 14 बेड का इमरजेंसी वार्ड तैयार किया है। यह मलेरिया वार्ड के बगल में हाई फीवर वार्ड के नाम से बनाया गया है। यहां पर बुखार की गंभीर मरीजों को भर्ती करने की तैयारी है। अस्पताल का बच्चा वार्ड भी करीब भर गया है।

शांतिकुंज गर्ल्स इंटर कॉलेज का समर कैंप बना आकर्षण का केंद्र

क्यूँ न लिखूँ सच/पं सत्यमशर्मा / बरेली। शांतिकुंज गर्ल्स इंटर कॉलेज में आयोजित समर कैंप में बच्चों को पपेट बनाना और उसे कहानी व विषय आधारित

प्रस्तुतीकरण में रुचिकर ढंग से प्रयोग करना सिखाया गया। बच्चे और शिक्षक अपने साथ आवश्यक सामग्री लेकर पहुंचे। वर्कशॉप में राज्य पुरस्कृत शिक्षक अमर दिवेदी, पुष्पा अरुण और प्रशांत अग्रवाल ने अलग-अलग सत्रों में पपेट निर्माण, कहानी प्रस्तुतीकरण और शिक्षण में पपेट के उपयोग की जानकारी दी। बच्चों के साथ शिक्षकों ने भी पपेट बनाकर प्रस्तुतीकरण सीखा। प्रधानाचार्य राधिका चंद ने अतिथि शिक्षकों का स्वागत किया। कार्यक्रम में जानकी विष्ट, रेनू यादव, प्राची त्यागी, शुचि शर्मा, सुनैना, रितिका, दीक्षा सांख्यधर सहित कई शिक्षक उपस्थित रहे। अंत में विद्यालय निदेशक डॉ. विनोद कुमार शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

आईटीआई स्कूल में 30 मई को एक दिवसीय रोजगार मेला का आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच/ ,जिला सेवायोजन अधिकारी ने बताया कि जिला सेवायोजन कार्यालय/माडल कैरियर सेंटर, राजकीय आई0टी0आई0 पीलीभी त के संयुक्त तत्वाधान में दिनांक 30.05.2026 को एक दिवसीय रोजगार मेला का राजकीय आई0टी0आई0 पीलीभीत में आयोजन किया जा रहा है। इस मेले में निजी क्षेत्र में रोजगार उपलब्ध कराने हेतु निजी क्षेत्र की श्रीराम पिस्टन्स, रिंग्स लि0, केआरएन हीट एक्सचेंजर, रिफ्रिजेरेशन लि0 एवं टाटा मोटर्स कम्पनियॉ प्रतिभाग कर रही है। इच्छुक अभ्यर्थी मेले में प्रतिभाग हेतु अपने साथ समस्त शैक्षिक प्रमाण पत्र की छायाप्रतियॉ, 02 फोटो व बायोडाटा 02 प्रतियों के साथ प्रतिभाग कर सकते हैं। मेले में नॉन टेक्नीकल व टेक्नीकल/डिप्लोमाधारी पुरूष एवं महिला प्रतिभाग कर सकते है, साक्षात्कार हेतु अभ्यर्थी की आयु 18 से 35 वर्ष है।

डीएम का आया आदेश, आज से पांच दिन तक सभी बोर्ड के स्कूल रहेंगे बंद, कड़ाई से पालन को कहा

प्रशासन ने आदेश में स्पष्ट किया है कि छुट्टी की इस अवधि में विद्यालयों में शिक्षण कार्य पूरी तरह बंद रहेगा। किसी भी प्रकार की शैक्षणिक, सांस्कृतिक या खेलकूद गतिविधि के लिए छात्र-छात्राओं को स्कूल परिसर में नहीं बुलाया जाएगा।अलीगढ़ जिले में पड़ रही भीषण गर्मी और लू को देखते हुए जिला प्रशासन ने बड़ा कदम उठाया है। जिलाधिकारी अविनाश कुमार ने जिले के सभी स्कूलों में 30 मई तक अवकाश घोषित कर दिया है। यह आदेश 27 मई 2026 से 30 मई 2026 तक तत्काल प्रभाव से लागू रहेगा। 31 मई का रविवार है, इस तरह से स्कूल पांच दिन बंद रहेंगे।जिलाधिकारी द्वारा जारी निर्देश के मुताबिक यह आदेश जनपद में संचालित सभी राजकीय, अशासकीय सहायता प्राप्त और निजी मान्यता प्राप्त विद्यालयों पर समान रूप से प्रभावी होगा। इसमें सीबीएसई, आईसीएसई, यूपी बोर्ड और अन्य सभी बोर्डों के कक्षा एक से लेकर कक्षा 12 तक के विद्यालय शामिल हैं। प्रशासन ने आदेश में स्पष्ट किया है कि छुट्टी की इस अवधि में विद्यालयों में शिक्षण कार्य पूरी तरह बंद रहेगा। किसी भी प्रकार की शैक्षणिक, सांस्कृतिक या खेलकूद गतिविधि के लिए छात्र-छात्राओं को स्कूल परिसर में नहीं बुलाया जाएगा।

डॉक्टर और बेटी की मौत: एयर बैग खुले पर तेज टक्कर से टूट गईं कार की सीटें, इंजन तक बाहर निकला; हादसे की कहानी

यूपी के संभल जिले में गंगा एक्सप्रेसवे पर गलत लेन में घुसी कार मर्सिडीज से भिड़ गई। हादसे में डॉक्टर और उसकी बेटी की मौत हो गई। जबकि छह घायल हो गए। कार दिशा सूचक बोर्ड न होने से गलत लेन में पहुंच गई। जिससे यह दर्दनाक हादसा हो गया।यूपी के संभल के सौंधन इलाके में गंगा एक्सप्रेसवे पर मंगलवार सुबह करीब आठ बजे दिल्ली के डॉक्टर की कार की सामने से आ रही मर्सिडीज से सीधी भिड़ंत हो गई। पुलिस के अनुसार यह हादसा हो गया। इस हादसे में चंदौसी के चंदोई में अरविंद कुमार (52) और उनकी बेटी यामिनी (30) दूसरी कार में सवार छह लोग घायल हो गए। पुलिस ने एक्सप्रेसवे की गलत लेन में दाखिल हो गई थी। दूसरी किमी की रफ्तार पर थी। अचानक विपरीत दिशा की अपनी गाड़ी रोक नहीं सका और हादसा हो गया। कार के गलत लेन में पहुंचने का कारण बताया जा रहा निकट हुए इस हादसे के घायलों में डॉक्टर की पत्नी प्रियदर्शनी शामिल हैं। मर्सिडीज कार में सहारनपुर अमिश शर्मा सवार थे। ये सभी घायल हुए हैं। इस कार गई। पुलिस ने बताया कि मर्सिडीज कार शिवम शर्मा समय उनकी कार की रफ्तार 140 किमी प्रति घंटे के रहा है। घायल कार चालक शिवम पुलिस की हिरासत सूचक बोर्ड न होने से चकराते हैं चालक- हादसे में जान कि चंदौसी दिशा से आने वाले वाहनों के एक्सप्रेसवे पर उनकी कार एक्सप्रेसवे पर पहुंची थी। लहरावन से करीब इस इंटरचेंज से गाड़ियां अपने आगे के सफर के हिसाब बोर्ड (रोड साइन) न होने से दिल्ली जा रहे अरविंद उस के वाहन जा रहे थे। यही वजह रही कि उनकी कार गई। पुलिस ने घायल मर्सिडीज चालक के हवाले से ने बचाव में स्टीयरिंग बाईं ओर काटा, जिससे बचाव की टक्कर से टूट गईं कार की सीटें- गंगा एक्सप्रेसवे पर लेकिन गांव अझरा के ग्रामीणों के अनुसार हादसे की सतीश और अन्य लोग मौके पर पहुंचे। जब करीब पहुंचे

कार के एयर बैग तो खुले लेकिन टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि पोलो कार की सीट ही टूट गईं। मर्सिडीज के एयर बैग खुल हुए थे और कार में लोग फंसे थे। इसके बाद ही पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों कार में सवार लोगों को बाहर निकालना शुरू किया।मौके पर पहुंचे दरोगा ने बताया कि पोलो और मर्सिडीज कार के एयर बैग खुले मिले हैं। पोलो कार के एयर बैग तो खुले लेकिन टक्कर इतनी जोरदार थी कि आगे की दोनों सीट ही टूट गईं इससे ही आगे सीट पर बैठे डॉक्टर और उनकी बेटी की जान चली गई। पोलो का इंजन भी टूटकर अलग हो गया। वहीं, मर्सिडीज कार का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हुआ लेकिन लग्जरी कार होने के चलते अगला ही हिस्सा क्षतिग्रस्त हुआ लेकिन उसमें सवार तीनों लोगों को मामूली चोट लगी है।एआरटीओ हादसे की जांच के लिए पहुंचे, माना तेज रफ्तार थी कोई एक कार = हादसे की सूचना के बाद एआरटीओ अमिताभ चतुर्वेदी जांच के लिए मौके पर पहुंचे। दोनों कार को देखकर उन्होंने ने माना कि हादसे के समय कोई एक कार तेज रफ्तार में थी। इससे इतना भीषण हादसा हुआ कि सीटें टूट गईं। एआरटीओ ने माना कि गलत दिशा से आ रही पोलो कार की रफ्तार ज्यादा नहीं होगी लेकिन सही दिशा में दौड़ रही मर्सिडीज की रफ्तार काफी तेज होने का अनुमान है। इसकी रिपोर्ट बनाकर अधिकारियों को भेजी जाएगी।28 दिन में चार लोगों की जान गई, 58 लोग हुए घायल

गंगा एक्सप्रेसवे का लोकार्पण 29 अप्रैल को हुआ है। इस दिन से ही वाहन दौड़ रहे हैं। 16 अप्रैल तक ट्रायल अवधि में वाहन चले लेकिन 17 अप्रैल से टोल लिया जा रहा है। इस अवधि में हुए हादसे में चार लोगों की जान जा चुकी है और 58 लोग घायल हुए हैं। इसमें मंगलवार का हादसा भी शामिल है। वहीं, लोकार्पण से पहले अवैध तरीके से वाहनों का संचालन किया गया। इसमें भी 10 लोगों की जान गई थी। एक हादसे में एक ही परिवार के छह लोगों ने जान गंवा दी थी। इसके बाद भी न एक्सप्रेसवे के जिम्मेदार चेते और न जिला प्रशासन ने कोई ठोस कदम उठाया है।लोकार्पण हुए महीना नहीं बीता गंगा एक्सप्रेसवे के कैमरे खराब- मेरठ से प्रयागराज तक 594 किलोमीटर लंबे गंगा एक्सप्रेसवे का लोकार्पण 29 अप्रैल को किया गया है। अभी महीना भी नहीं गुजरा है और एक्सप्रेसवे के निगरानी कैमरे खराब हो गए हैं। इससे राहगीरों की सुरक्षा पर सवाल खड़ा हो गए हैं। सुनसान जगह से गुजर रहे इस एक्सप्रेसवे पर जब निगरानी के लिए लगे कैमरे ही खराब हैं तो यात्रा सुरक्षित कैसे होगी। इसी तरह की चूक का शिकार दिल्ली निवासी पिता-पुत्री हो गए। इसी परिवार के तीन लोग जिंदगी और मौत के बीच जूझ रहे हैं।एक्सप्रेसवे की कार्यदायी संस्था के कर्मचारियों का कहना है कि हर पांच किलोमीटर पर एक कट बनाया गया है। रास्ते में पेट्रोल या डीजल खत्म होने पर 14449 पर फोन करने पर तुरंत मदद मिलती है। तीन एंबुलेंस और तीन गाड़ियां सूचना पर पहुंचकर पीड़ितों की सहायता करती हैं। हर 45 किलोमीटर पर एक विश्राम क्षेत्र है। मेरठ की तरफ आने पर 74 नंबर का विश्राम क्षेत्र अमरोहा जनपद के हसनपुर तहसील में आता है।अब सवाल उठता है कि जब पांच किलोमीटर पर कट बना है तो पोलो कार सवार डॉक्टर को सही दिशा में जाने का रास्ता क्यों नहीं मिला। यदि कैमरों से देखकर मदद की होती तो दो लोगों की जान बच सकती थीं। जबकि कार की रफ्तार 120 किलोमीटर तय है। इससे भी ज्यादा रफ्तार से लोग कार दौड़ा रहे हैं। इसके बाद भी निगरानी कैमरों को तत्काल सही नहीं कराया गया।लहरावन इंटरचेंज पर नहीं लगे सही संकेतक इसलिए भ्रमित हो रहे वाहन चालक- संभल जिले में दो इंटरचेंज बनाए गए हैं। इसमें पहला है लहरावन और दूसरा है खिरनी। लहरावन से ज्यादातर लोग एंट्री करते हैं। लेकिन गोल चक्कर पर घूमते रहते हैं। जरा सी चूक से मेरठ की ओर से आने वाले वाहनों की लेन में प्रवेश कर जाते हैं और फिर गलत दिशा में चलते रहते हैं। कट नहीं मिलने से यह दिक्कत होती है। संकेतक सही दिशा के अनुसार लग जाएं तो वाहन चालकों को सहूलियत मिलेगी लेकिन ऐसा हो नहीं रहा है। जिला प्रशासन ने भी सुधार के निर्देश 10 दिन पहले दिए थे लेकिन अब तक कोई सुधार नहीं हुआ है।एक कार गलत दिशा में जाते हुए सामने से आई कार से टकराई है। इसमें दो की मौत हो गई है। अन्य लोग घायल हैं जिनका उपचार कराया जा रहा है। कैलादेवी थाने में तहरीर मिलने पर रिपोर्ट दर्ज की जाएगी। -कृष्ण कुमार विश्नोई, एसपी, संभल

डकैती की रकम से नेपाल में की मौज-मस्ती, बकरीद मनाने के लिए घर आते समय यहां पकड़े गए; दो का हुआ था एनकाउंटर

गाजियाबाद में कैश वैन डकैती कांड में दो आरोपी नेपाल बॉर्डर पर दबोचे गए हैं। दोनों आरोपी 17 मई से नेपाल में छिपे थे। डकैती के पैसों से आरोपी नेपाल में मौज-मस्ती कर रहे थे। बकरीद मनाने के लिए घर लौटते समय सीमा पर दोनों पुलिस के हत्थे चढ़ गए।गाजियाबाद के क्रॉसिंग रिपब्लिक क्षेत्र में हुई एटीएम कैश वैन डकैती के दो इनामी आरोपियों को लखीमपुर खीरी की संपूर्णानगर कोतवाली पुलिस ने नेपाल बॉर्डर से गिरफ्तार कर लिया। दोनों आरोपी लूट के मनाने के लिए घर लौटते समय सीमा पर चल रही सघन चेकिंग में दोनों पुलिस नेशनल हाईवे 9 पर वारदात हुई थी। मामले में फरार चल रहे सुहैब और फिरोज गिरफ्तारी से बचने के लिए दोनों नेपाल चले गए थे।थानाध्यक्ष कृष्ण कुमार ने हैं। इसके बाद खजुरिया चौकी के गोविंदनगर चौराहे पर सघन चेकिंग अभियान देखकर भागने लगे। शक होने पर पुलिस टीम ने पीछा कर दोनों को दबोच निवासी बंजारा चौक, प्रताप विहार, विजयनगर गाजियाबाद के रूप में हुई। दोनों नेपाल में उन्होंने लूट की रकम से मौज-मस्ती की और बचे हुए पैसों के साथ 1.02 लाख रुपये और नेपाल से खरीदा गया मोबाइल फोन बरामद किया है। सिटी धवल जायसवाल ने बताया कि दोनों आरोपी 17 मई से नेपाल में छिपे हुए

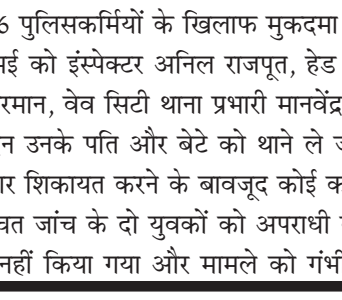

बाद नेपाल भाग गए थे और वहीं मौज-मस्ती कर रहे थे। सोमवार रात बकरीद के हत्थे चढ़ गए।पुलिस के अनुसार, छह मई को क्रॉसिंग रिपब्लिक थाना क्षेत्र में पर गाजियाबाद पुलिस ने एक-एक लाख रुपये का इनाम घोषित किया था। बताया कि सूचना मिली थी कि दोनों आरोपी नेपाल से वापस भारत आने वाले चलाया गया। इसी दौरान नेपाल की ओर से पैदल आ रहे दो युवक पुलिस को लिया। आरोपियों की पहचान सुहैब निवासी सेक्टर-12 विजयनगर और फिरोज ने कैश वैन डकैती में शामिल होने की बात स्वीकार कीआरोपियों ने बताया कि बकरीद मनाने घर लौट रहे थे। पुलिस ने उनके कब्जे से दो तमंचे, पांच कारतूस, दोनों को जेल भेज दिया गया है। 17 मई से नेपाल में छिपे थे आरोपी- डीसीपी थे। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार सुहैब, मुठभेड़ में मारे गए कैश वैन डकैती के मास्टरमाइंड जुबैर का भाई है। वह अपने पिता के साथ विजयनगर में बांस-बल्ली की दुकान पर काम करता था। सुहैब ने पुलिस को पूछताछ में बताया कि छह मई को वह अपने भाई जुबैर के साथ वारदात में शामिल था। जुबैर के पास पिस्टल और उसके पास तमंचा था। जुबैर ने पहले हवाई फायरिंग की। राहगीरों और कैश वैन चालक तेजपाल ने जब शोर मचाने की कोशिश की तो सुहैब ने तमंचे से फायर किया। गोली चालक तेजपाल के बराबर में वैन की खिड़की पर लगी थी। उसने यह भी स्वीकार किया कि कैश वैन का ताला कुल्हाड़ी से उसी ने तोड़ा था। वहीं, फिरोज ने बताया कि वह सुहैब का रिश्तेदार है। वारदात के दौरान वह और मो. कैफ बोलेरो कार में थे, कार कैफ चला रहा था। नेपाल से खरीदा मोबाइल फोन, फर्जी आईडी पर लिया सिम संपूर्णानगर- कोतवाली पुलिस के मुताबिक, आरोपियों के पास मिला मोबाइल फोन नेपाल के महेंद्रनगर स्थित एक मोबाइल केयर सेंटर से फर्जी आईडी पर खरीदा गया था। दोनों नेपाल का फर्जी आईडी वाला सिम भी इस्तेमाल कर रहे थे। ये है मामला- छह मई को बलेनो कार सवार छह बदमाशों ने क्रॉसिंग रिपब्लिक थाना क्षेत्र में एटीएम में नकदी डालने पहुंची कैश वैन में डाका डाला और 27 लाख रुपये लेकर भाग गए। इनमें वारदात का मास्टरमाइंड जुबैर, उसका भाई सुहैब, तहेरा भाई मोहम्मद कैफ व उसका भाई समीर, रिजवान और फिरोज शामिल थे। पुलिस ने रिजवान और मोहम्मद कैफ को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था, जबकि जुबैर और समीर मुठभेड़ के दौरान 13 मई को ढेर हो गए थे। पुलिस को चकमा देकर नेपाल भागे फिरोज और सुहैब को भी अब गिरफ्तार कर लिया गया है। मास्टरमाइंड जुबैर मूल रूप से मुजफ्फरनगर का रहा वाला था।दोनों आरोपियों के बी-वारंट की तैयारी- एडीसीपी अपराध पीयूष कुमार सिंह ने बताया कि फिलहाल दोनों आरोपियों को अवैध हथियार रखने के मामले में गिरफ्तार किया गया है। दोनों को गाजियाबाद लाने के लिए कोर्ट में बी-वारंट की अर्जी दी गई है। मंजूरी मिलने के बाद दोनों को रिमांड पर लेकर पूछताछ की जाएगी। फर्जी मुठभेड़ और अवैध हिरासत का आरोप लगा 16 पुलिस कर्मियों के खिलाफ याचिका गाजियाबाद में कैश वैन डकैती में नेपाल बार्डर से पकड़े गए आरोपी सुहैब की मां रुखसाना ने पुलिस पर हत्या का आरोप लगाते हुए मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत में प्रार्थना पत्र दाखिल किया है। महिला का दावा है कि उसके परिवार के सदस्यों को अवैध रूप से हिरासत में रखा गया और बाद में फर्जी मुठभेड़ दिखाकर दो युवकों 20 वर्षीय विधि छात्र जुबैर व 25 वर्षीय समीर की हत्या कर दी गई। महिला का यह भी आरोप है कि पुलिस ने फर्जी तरीके से एक लाख रुपये का इनाम घोषित कर दिया। महिला ने अपने अधिवक्ता खालिद खान के माध्यम से अदालत में दायर याचिका में विभिन्न थानों और विशेष अभियान दल के कुल 16 पुलिसकर्मियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की मांग की है। अदालत ने याचिका स्वीकार करते हुए वेव सिटी थाना पुलिस को 30 मई तक रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। आरोप है कि 11 मई को इंस्पेक्टर अनिल राजपूत, हेड कांस्टेबल संदीप कुमार, हेड कांस्टेबल विशाल राठी, चालक मोहित शर्मा, दरोगा आशीष सिंह, हेड कांस्टेबल तरुण यादव, हेड कांस्टेबल हिमांशु मलिक, चालक फरमान, वेव सिटी थाना प्रभारी मानवेंद्र सिंह, हेड कांस्टेबल प्रशांत मलिक और सिहानी गेट थाना प्रभारी कुलदीप दीक्षित सहित अन्य पुलिसकर्मी महिला के घर पहुंचे थे। महिला का आरोप है कि उस दिन उनके पति और बेटे को थाने ले जाया गया था। बाद में पति को छोड़ दिया गया, लेकिन बेटे सुहैब और उसके दो साथियों जुबैर व फिरोज को अवैध रूप से हिरासत में रखा गया। परिवार के लगातार शिकायत करने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं की गई। याचिका में यह भी आरोप लगाया गया कि इसके बाद पुलिस अधिकारियों ने मिलकर एक कथित फर्जी मुठभेड़ की कहानी तैयार की। बिना उचित जांच के दो युवकों को अपराधी बताकर उनकी हत्या कर दी गई। महिला ने यह भी कहा है कि इस पूरी कार्रवाई में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग और उच्च न्यायालय के दिशा निर्देशों का पालन नहीं किया गया और मामले को गंभीरता से नहीं लिया गया।

संक्षिप्त समाचार

डीएम ने राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ किया ईवीएम व वीवीपीएटी वेयरहाउस का निरीक्षण

क्यूँ न लिखूँ सच/ बदायूँ आज जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी अवनीश राय ने बुधवार को कलेक्ट्रेट स्थित ईवीएम व वीवीपीएटी वेयरहाउस का राजनीतिक दलों के

प्रतिनिधियों व अधिकारियों के साथ बाह्य निरीक्षण किया। सभी ईवीएम व वीवीपीएटी पूर्ण रूप से सुरक्षित हैं व वहां 24 घंटे सुरक्षा व्यवस्था है तथा सीसीटीवी कैमरे भी संचालित हैं। जिलाधिकारी ने सीसीटीवी कैमरो की स्थिति का अवलोकन भी किया तथा उपस्थिति पंजिका पर हस्ताक्षर भी किए। राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने की गई व्यवस्थाओं पर अपना संतोष व्यक्त किया। इस अवसर पर अपर जिला अधिकारी वित्त एवं राजस्व त्रिभुवन सिंह सहित अन्य अधिकारी व राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

थाना सहसवान पुलिस ने चोरी की घटना का सफल अनावरण करते हुये दो अभियुक्तों को भेजा जेल

क्यूँ न लिखूँ सच/ आज जनपद बदायूं के एसएसपी आदेशानुसार जनपद मे अपराध की रोकथाम एंव वाछिंत अभियुक्त की गिरफ्तारी एंव माल बरामदगी हेतु चलाये जा रहे

अभियान के अन्तर्गत थाना सहसवान पुलिस द्वारा थाना पर पंजीकृत मु0अ0स0 159/26 धारा 305/331(4) BNS बनाम अज्ञात चोर के सफल अनावरण करते हुये आज अभियुक्त 1. मुनेन्द्र पुत्र इन्द्रपाल निवासी ग्राम गवरा फिरोजपुर थाना इस्लामनगर जनपद बदायूँ 2. मुन्ना पुत्र मकशूद नि0 ग्राम चदोई थाना इस्लामनगर जनपद बदायूँ को चोरी किये हुये माल 03 जोडी पायल सफेद धातु ,06 सिक्के सफेद धातु के ,02 हथफूल सफेद धातु व दो हजार रुपये के साथ गिरफ्तार किया गया

उर्वरकों की कालाबाजारी पर प्रशासन सख्त, कलेक्टर अर्पित वर्मा ने दिए कड़े निर्देश

क्यूँ न लिखूँ सच/ राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी। खरीफ सीजन को देखते हुए जिले में उर्वरकों की उपलब्धता और वितरण व्यवस्था को लेकर जिला प्रशासन सतर्क हो गया है। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री

अर्पित वर्मा ने कृषि, सहकारिता, मार्कफेड एवं बैंक अधिकारियों की बैठक लेकर उर्वरकों की कालाबाजारी रोकने तथा किसानों को संतुलित एवं वैज्ञानिक खेती के लिए जागरूक करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री वर्मा ने स्पष्ट कहा कि जिले में किसी भी स्तर पर उर्वरकों की कालाबाजारी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने निर्देश दिए कि किसी एक डीलर के पास अत्यधिक स्टॉक न रहे तथा सभी अधिकृत विक्रेताओं को समान रूप से उर्वरक उपलब्ध कराया जाए, ताकि किसानों को समय पर उचित मात्रा में खाद मिल सके। में कृषि विभाग के अधिकारियों को किसानों के बीच जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए गए। किसानों को मिट्टी परीक्षण कराकर सॉइल हेल्थ कार्ड की अनुशंसाओं के अनुसार एनपीके उर्वरकों का संतुलित उपयोग करने की सलाह दी गई। अधिकारियों ने बताया कि रासायनिक उर्वरकों के असंतुलित उपयोग से मिट्टी की उर्वरता प्रभावित हो रही है, जिससे उत्पादन और भूमि की गुणवत्ता दोनों पर असर पड़ता है। प्राकृतिक और जैविक खेती पर जोर कलेक्टर श्री वर्मा ने किसानों से अपील की कि वे रासायनिक खेती पर निर्भरता कम कर प्राकृतिक एवं जैविक खेती की ओर बढ़ें। कृषि विशेषज्ञों द्वारा जीवामृत, बीजामृत एवं घनजीवामृत जैसी जैविक तकनीकों को अपनाने की सलाह दी गई है, जिससे मिट्टी की जलधारण क्षमता एवं जैविक गुणवत्ता में सुधार होता है। उन्होंने किसानों से कहा कि वे अपने खेतों के एक हिस्से में प्रयोग के तौर पर प्राकृतिक खेती शुरू करें तथा अधिक जानकारी के लिए कृषि विज्ञान केंद्र एवं क्षेत्रीय कृषि विस्तार अधिकारियों से संपर्क करें।

लाइफ केयर अल्ट्रासाउंन एंड पैथोलॉजी का विधायक पुत्र व चेयरमैन ने फीता काटकर किया शुभारंभ

क्यूँ न लिखूँ सच/पवन कुमार/ अतिथियों व कलमकारों को स्मृति चिन्ह भेंटकर किया गया सम्मानित कोंच(जालौन)नगर के मारकंडेश्वर तिराहे के पास लाइफ केयर अल्ट्रासाउंन एंड पैथोलॉजी का शुभारंभ माधौगढ़ विधायक मूलचंद निरंजन के पुत्र आशु निरंजन व पालिकाध्यक्ष प्रदीप गुप्ता ने संयुक्त रूप से फ़ीता काटकर किया कार्यक्रम में सभी अस्थियों को स्मृति चिन्ह व शाल उड़ाकर सम्मानित किया गया लाइफ केयर पैथोलॉजी के शुभारंभ पर बोलते हुए अध्यक्ष प्रदीप गुप्ता ने कहा कि नगर के लोगों के लिए स्वास्थ्य सेवा और रंगीन अल्ट्रासाउंड व पैथोलॉजी खोली गई है यह एक अलग पैथोलॉजी है जिसका लाभ नगर व क्षेत्र के लोगों को मिलेगा उन्होंने कहा कि अभी तक रंगीन लैब नगर में नहीं थी जिससे यहां के लोगों को उरई जाना पड़ता था और अब यह सुविधा नगर के लोगों को मिलेगी उन्होंने कहा कि लोगों को अधिक से अधिक स्वास्थ्य लाभ मिल सके इसके लिए लाइफ केयर पैथोलॉजी मील का पत्थर साबित होगी विधायक पुत्र आशु निरंजन ने कहा कि लाइफ केयर पैथोलॉजी के सभी आयोजको को बधाई देते हैं नगर के लोगों को अच्छी स्वास्थ्य सुविधा और रंगीन पैथोलॉजी की सेवाएं मिल सकेंगी उन्होंने कहा कि नागरिकों को सही सुविधा देने का काम करें जिससे नगर के लोगों को लाभ मिल सके वहीं आयोजक पत्रकार अली जावेद के भाई शाह हुसैन गुड्डू खान मजहर खान शादाब खान ने अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया पूर्व बार संघ अध्यक्ष विज्ञान सिरौठिया अधिवक्ता कांग्रेस नेता अनिल पटेरिया डॉ आलोक निरंजन अमित उपाध्याय नरेश कुशवाहा सभासद शादाब अंसारी अशोक गुर्जर अनिल पटेल उद्योगपति सैयद महबूब अली संजय नगाइच खेमचंद नामदेव हाजी जैनुल आब्दीन जैद आब्दीन मुहतसिन उद्दीन सुजाअत हुसैन अफीसा हुसैन आदि मौजूद रहे कार्यक्रम के अंत में आए हुए सभी अतिथियों का आभार पत्रकार अली जावेद ने व्यक्त किया।

कछला व अटैना घाट पर व्यवस्थाओं के संबंध में डीएम ने की बैठक

क्यूँ न लिखूँ सच/ आज बदायूं जिलाधिकारी अवनीश राय ने कछला गंगा घाट व अटैना घाट पर विभिन्न स्थानों पर श्रद्धालुओं की सुविधा के दृष्टिगत व्यवस्थाओं के संबंध में पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों के साथ आहुत बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि विभिन्न पर्व व स्नान घटना रहित हो, इस प्रकार की व्यवस्थाएं की जाएं जिससे श्रद्धालुओं को सुविधा हो। कलेक्ट्रेट स्टेट अटल बिहारी वाजपेई सभागार में बुधवार को आहूत बैठक में जिलाधिकारी अवनीश राय ने कछला गंगा घाट व अटैना घाट पर स्थाई रूप से पब्लिक एड्रेस सिस्टम, सीसीटीवी कैमरा, प्रकाश व्यवस्था करने तथा पार्किंग व स्नान सीमा आदि हेतु बैरिकेडिंग करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रकाश, पार्किंग, बैरिकेडिंग, डेंजर जोन, सेक्टर/जोन आदि को प्रदर्शित करने वाले संकेतक भी आवश्यक रूप से लगाए जांए। उन्होंने कहा कि इसके अतिरिक्त अन्य घाटों पर भी व्यवस्थाएं कराई जाएं। डीएम ने स्थाई रूप से वॉच टावर की स्थापना करने हेतु मुआयना करने के निर्देश भी अधिकारियों को दिए इस अवसर पर एसएसपी अंकिता शर्मा, मुख्य विकास अधिकारी गामिनी सिंगला सहित अन्य पुलिस व प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे।

जल गंगा संवर्धन अभियान: पोहरी में पक्षियों के लिए दाना-पानी की अनूठी पहल

क्यूँ न लिखूँ सच/ राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी। भीषण गर्मी के बीच पक्षियों के संरक्षण और पर्यावरण संवर्धन को लेकर जिला प्रशासन द्वारा एक सराहनीय पहल शुरू की गई है। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा के निर्देशानुसार जिलेभर में जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है, जिसके तहत ग्राम पंचायतों में जल संरक्षण एवं पर्यावरण संरक्षण से जुड़े कार्य किए जा रहे हैं। इसी क्रम में विकासखंड पोहरी में मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री आफीसर सिंह गुर्जर ने एक अभिनव पहल करते हुए पक्षियों के लिए दाना-पानी की व्यवस्था शुरू कराई है। अभियान की शुरुआत ग्राम नोनेटा खुर्द से की गई, जहां गांव के विभिन्न स्थानों पर पक्षियों के लिए सकोरे एवं दाना पात्र रखवाए गए। कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों से अपील की गई कि गर्मी के मौसम में पक्षियों की सुरक्षा एवं संरक्षण के लिए आगे आएं और अपने घरों तथा सार्वजनिक स्थानों पर भी पानी एवं दाने की व्यवस्था करें। इस अवसर पर सरपंच श्रीमती धानवती आदिवासी, सचिव साविर खान, सहायक सचिव रजनीश धाकड़ सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री आफीसर सिंह गुर्जर ने कहा कि जल संरक्षण के साथ-साथ जीव-जंतुओं और पक्षियों की सुरक्षा भी समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। इस पहल का उद्देश्य लोगों में पर्यावरण एवं जीवों के प्रति संवेदनशीलता विकसित करना है। ग्रामीणों ने प्रशासन की इस पहल की सराहना करते हुए अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाने का संकल्प लिया।

मा0 मुख्यमंत्री जी के निर्देश पर 24 घंटे के भीतर पीड़ित परिवारों को राहत, एसडीएम उरई ने पहुंचकर सौंपी आर्थिक सहायता

क्यूँ न लिखूँ सच/राजेंद्र विश्वकर्मा/ ग्राम टीकर अग्निकांड में प्रशासन बना सहारा, प्रभावित परिवारों को मिली आर्थिक मदद व राहत सामग्री विकासखंड डकोर के ग्राम टीकर में बीते दिवस अज्ञात कारणों से दो घरों में आग लगने की घटना के बाद जिला प्रशासन ने तत्परता दिखाते हुए प्रभावित परिवारों को तत्काल राहत उपलब्ध कराई। मा0 मुख्यमंत्री जी के स्पष्ट निर्देश हैं कि दैवीय आपदा से प्रभावित लोगों को 24 घंटे के भीतर सहायता उपलब्ध कराई जाए, जिसके क्रम में प्रशासन ने संवेदनशीलता एवं त्वरित कार्रवाई की। उप जिलाधिकारी उरई ज्योति सिंह ने मौके पर पहुंचकर आग से प्रभावित कमलेश पत्नी पुनु तथा कस्तूरी पत्नी शिवकुमार से मुलाकात कर घटना की जानकारी ली और उन्हें ढांढस बंधाया। उप जिलाधिकारी द्वारा दोनों पीड़ित परिवारों को 1 लाख 20 हजार, एक लाख 20 हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की गई। साथ ही परिवारों के लिए दैनिक उपयोग की खाद्य सामग्री किट भी उपलब्ध कराई गई, ताकि उन्हें तत्काल राहत मिल सके।उप जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि पीड़ित परिवारों को शासन स्तर से अनुमन्य हर संभव सहायता प्राथमिकता के आधार पर उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने कहा कि आपदा की घड़ी में प्रशासन पूरी संवेदनशीलता के साथ प्रभावित लोगों के साथ खड़ा है और किसी भी पीड़ित को असहाय नहीं छोड़ा जाएगा।

जनगणना-2027 में उत्कृष्ट कार्य करने वाले प्रगणकों को डीएम ने प्रशस्ति पत्र देकर किया सम्मानित

क्यूँ न लिखूँ सच/ जिलाधिकारी एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी अवनीश राय द्वारा जनगणना-2027 के अंतर्गत मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना का कार्य उत्कृष्ट ढंग से संपादित करने वाले प्रगणकों को बुधवार को कलेक्ट्रेट स्थित अपने कार्यालय कक्ष में प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वालों में प्रगणकों में तहसील सदर के प्राथमिक विद्यालय सैजनी के सहायक अध्यापक जगत सिंह, प्राथमिक विद्यालय सकरी जंगल के शिक्षा मित्र दिनेश कुमार सक्सेना व उच्च प्राथमिक विद्यालय कुंआ डांडा के सहायक अध्यापक शैलेन्द्र सागर आदि शामिल रहे। तीनों प्रगणकों ने अपने आवंटित क्षेत्रों में मकान सूचीकरण एवं आंकड़ों के संकलन का कार्य पूरी निष्ठा, पारदर्शिता एवं समयबद्धता के साथ पूर्ण किया। जिलाधिकारी ने कहा कि जनगणना-2027 देश की भावी विकास योजनाओं का महत्वपूर्ण आधार है। सटीक आंकड़ों के माध्यम से शासन की योजनाओं को अधिक प्रभावी तरीके से लागू किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि जनगणना कार्य में लगे सभी कार्मिकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। इस अवसर पर सीडीओ सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

थाने से 300 मीटर दूर हुई वारदात, युवक के सिर पर मारी गोली, हथियार लहराकर नकाबपोश हुए फरार

रामपुर के सिविल लाइंस क्षेत्र स्थित राम रहीम पुल पर नकाबपोश युवकों ने सत्यवीर के सिर में गोली मार दी। इससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस पुरानी रंजिश के एंगल पर जांच कर रही है।रामपुर के सिविल लाइंस क्षेत्र स्थित राम रहीम पुल पर मंगलवार रात बाइक सवार दो युवकों ने युवक के सिर में गोली मार दी। गोली लगने से युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे जिला अस्पताल ले जाया गया। जहां से मुरादाबाद के हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। युवक की हालत गंभीर बताई जा रही है।पुलिस मामले की जांच कर रही है। मिलक निब्बी सिंह गांव निवासी सत्यवीर मंगलवार रात अपने साथियों मगरमऊ निवासी कैलाश और इंद्रप्रस्थ कॉलोनी निवासी सुमित के साथ बाइक से जा रहा था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार राम रहीम पुल पर पीछे से आए नकाबपोश दो बाइक सवार युवकों ने पीछे बैठे सत्यवीर को गोली मार दी।गोली कान के पास सिर में लगी। गोली लगते ही वह सड़क पर गिर पड़ा, जिससे मौके पर अफरातफरी मच गई। घटना के बाद पुल पर जाम लग गया। घायल को उसके साथी तत्काल जिला अस्पताल ले गए। वहां से उसे गंभीर हालत में मुरादाबाद रेफर कर दिया गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। एसपी सोमेंद्र मीणा ने भी घटनास्थल का निरीक्षण किया। घटना के पीछे पुरानी रंजिश की आशंका जताई जा रही है। एएसपी अनुराग सिंह ने बताया कि युवक सत्यवीर को कान के पास गोली लगी है। उसकी हालत गंभीर है और उसे मुरादाबाद के हायर सेंटर रेफर किया गया है। घटना के बाद पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने में जुटी रही।राम रहीम पुल पर हुई यह घटना सिविल लाइंस कोतवाली से करीब 300 मीटर दूरी पर हुई। पुल के पास पुलिस पिकेट भी रहती है और कुछ दूरी पर शहर विधायक का आवास भी है। पॉश इलाके में हुई फायरिंग से सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं। गोलीकांड से बेखबर रही पुलिस, खुलवाती रही जाम- मंगलवार रात गोलीकांड के बाद राम रहीम पुल पर जाम लग गया। जाम की सूचना पर ज्वाला नगर पुलिस चौकी की टीम मौके पर पहुंची और यातायात सुचारु कराने में जुट गई। उस समय पुलिस को गोली चलने की जानकारी नहीं थी। बाद में किसी ने पुलिस को गोलीकांड की सूचना दी, जिसके बाद अफसरों को अवगत कराया गया।

संक्षिप्त समाचार

जीआरपी ने रेलवे सुरक्षा के लिये गोष्ठी का आयोजन किया

क्यूँ न लिखूँ सच/पवन कुमार/ रेलवे की संरक्षा सुरक्षा अभियान के अंतर्गत कालपी - आटा रेल खंड के सटे ग्रामीण इलाकों में जीआरपी चौकी इंचार्ज संजना सिंह के नेतृत्व में पुलिस जवानों ने घूम-घूम कर भ्रमण कर नागरिकों से मुलाकात कर नागरिकों से रेलवे की सुरक्षा के लिए जागरूक किया प्रदेश के रेलवे के पुलिस महानिदेशक निर्देशों के अनुरूप में ट्रेनों पर हो रही पत्थरबाजी की घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाने के क्रम में रेलवे ट्रैक किनारे स्थित ग्राम आटा में जीआरपी चौकी इंचार्ज संजना सिंह की अध्यक्षता में मीटिंग/गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी में उपस्थित लोगों को पत्थरबाजी की घटनाओं की रोकथाम तथा प्रभावी अंकुश लगाने हेतु जागरूक किया गया । पत्थर बाजी में रेलवे एक्ट की धारा 152 के अंतर्गत सजा के संबंध में अवगत कराकर लोगों को जागरूक किया गया। उन्होंने बताया कि किसी भी प्रकार की घटना होने पर तत्काल रेलवे हेल्पलाइन 139 एवं थाना सीयूजी नंबर 94544458294 पर सूचना दी जाये। सूचना मिलने पर पुलिस तत्परता से कार्यवाही करेगी।इस अवसर पर हेड कांस्टेबल सुशील कुमार सिंह, सिपाही आशीष कुमार सिंह, अशोक कुमार आदि उपस्थित रहे। चौकी इंचार्ज ने बताया कि जागरूकता अभियान 30 में तक निरंतर चलेगा।

अवैध तरीके से ले जाई जा रही बबूल की लकड़ी पकड़ी , वन विभाग ने वसूला पच्चीस हजार जुर्माना लगाया

क्यूँ न लिखूँ सच/पवन कुमार/ कोंच(जालौन)। मोंठ झांसी से मेरठ ले जाई जा रही थी एक सो अठाईस कुंतल बबूल की लकड़ी कागजात न मिलने पर डीसीएम को वन विभाग कार्यालय कोंच में खड़ा करवाया मिली जानकारी में वन विभाग कोंच की टीम ने बीती रात कोंच कैलिया मार्ग पर कार्रवाई करते हुए अवैध तरीके से ले जाई जा रही बबूल की लकड़ी से भरी एक डीसीएम पकड़ ली। जांच के दौरान लकड़ी से संबंधित जरूरी कागजात न मिलने पर विभाग ने वाहन को कब्जे में लेकर पच्चीस हजार रुपये का जुर्माना वसूला। वन विभाग के डिप्टी रेंजर अमित शर्मा टीम के साथ कोंच-कैलिया मार्ग पर ग्राम घमुरी के पास गश्त कर रहे थे। इसी दौरान उन्हें एक संदिग्ध डीसीएम दिखाई दी, जिसे रोक कर जांच की गई। तलाशी लेने पर वाहन में बड़ी मात्रा में बबूल की लकड़ी भरी मिली। डिप्टी रेंजर ने वाहन चालक धर्मेंद्र सिंह निवासी अलीगढ़ से लकड़ी परिवहन से संबंधित आवश्यक दस्तावेज मांगे लेकिन वह कोई वैध कागजात प्रस्तुत नहीं कर सका। इसके बाद वन विभाग की टीम ने डीसीएम को कब्जे में लेकर वन विभाग कार्यालय कोंच में खड़ा करा दिया। डिप्टी रेंजर अमित शर्मा ने बताया कि डीसीएम में करीब एक सो अठाईस कुंतल बबूल की लकड़ी भरी थी जिसे मौठ से मेरठ अवैध तरीके से ले जाया जा रहा था। चालक के पास कोई वैध दस्तावेज न मिलने पर विभागीय कार्रवाई करते का जुर्माना वसूला गया है।

गेहूं खरीद में नहीं आने दी जाएगी कोई रुकावट

क्यूँ न लिखूँ सच/राजेंद्र विश्वकर्मा/ जिलाधिकारी की सख्त मॉनिटरिंग, हर क्रय केंद्र पर पर्याप्त वारदाना उपलब्ध, एजेंसियों को समय से उठान के निर्देश कोंच(जालौन)। जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने कैंप कार्यालय से जनपद में संचालित गेहूं क्रय केंद्रों की गहन समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि किसानों को गेहूं बिक्री के दौरान किसी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि जनपद में वर्तमान समय में पर्याप्त मात्रा में वारदाना (बोरी) उपलब्ध है तथा सभी क्रय केंद्रों पर खरीद कार्य सुचारु एवं व्यवस्थित रूप से संचालित है। समीक्षा के दौरान बताया गया कि मार्केटिंग, पीसीएफ, पीसीयू एवं एफसीआई एजेंसियों के पास पर्याप्त वारदाना उपलब्ध है। जिलाधिकारी ने संबंधित एजेंसियों को निर्देशित किया कि क्रय केंद्रों से गेहूं का समय से उठान सुनिश्चित करें, ताकि किसी भी केंद्र पर भंडारण अथवा खरीद प्रक्रिया प्रभावित न होने पाए। उन्होंने कहा कि उठान में लापरवाही किसानों की परेशानी का कारण बन सकती है, जिसे किसी भी स्थिति में बर्दास्त नहीं किया जाएगा। जिलाधिकारी ने कहा कि प्रदेश सरकार किसानों के हितों के प्रति पूरी तरह संवेदनशील है और शासन की मंशा के अनुरूप प्रत्येक किसान का गेहूं पारदर्शी एवं समयबद्ध तरीके से खरीदा जाना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने समस्त उप जिलाधिकारियों को निर्देश दिए कि वे नियमित रूप से क्रय केंद्रों का निरीक्षण करें तथा वारदाना उपलब्धता, गेहूं उठान, इलेक्ट्रॉनिक तौल, किसानों के बैठने की व्यवस्था, पेयजल एवं छाया जैसी मूलभूत सुविधाओं की सतत निगरानी करें। जिलाधिकारी ने कहा कि खरीद प्रक्रिया में पारदर्शिता और गुणवत्ता सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा किसानों के भुगतान में किसी प्रकार की देरी न हो, यह भी सुनिश्चित किया जाए।जिलाधिकारी ने अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि किसी भी क्रय केंद्र पर अव्यवस्था, वारदाना की कमी या उठान में लापरवाही पाई गई तो संबंधित अधिकारियों एवं एजेंसियों की जवाबदेही तय करते हुए कठोर कार्रवाई की जाएगी।

From turmeric and gram flour to 'hybrid beauty': How the meaning of beauty has changed for Indian women

The concept of beauty has completely transformed over the past few decades. While home remedies were once preferred, people are now embracing hybrid beauty. The way women in India dress up and take care of themselves has completely changed over time.

While natural and home remedies were once the norm for beauty, today it has become a multi-billion dollar market. Previously, beauty simply meant trying home remedies or dressing up for special occasions, but today it's not just about grooming. It has become an integral part of self- confidence, lifestyle, self-care, social media presence, and self-identity. From traditional remedies to hybrid beauty, Indian beauty culture has undergone a significant transformation over the past two decades. There was a time when the beauty industry's biggest promise was simply a fair complexion, but today's women are placing greater importance on things like skin health, glow, sun protection, hydration, and anti-aging. Before making a purchase, women want to thoroughly understand the active ingredients in a product and how they will affect their skin. Especially since COVID, the trend of skin-first and skin minimalism—using fewer, effective products—has rapidly increased. This is why hybrid beauty is gaining popularity these days. This means using products that can simultaneously perform the functions of both makeup and skincare, such as foundation with SPF, concealer with serum, or a moisturizer-primer combo. How has the standard of beauty changed? This shift can be easily understood by looking at different decades. The 1950s and dressing tables 1960s—during this era, beauty care meant gram flour, cream, turmeric, rose water, and coconut oil. Only talcum powder, kajal, and vermillion were visible on dressing tables, and makeup was limited to weddings and special occasions. 1960-80s - During this period, the demand for hairstyles and bright makeup on film actresses increased. Colorful lipstick, nail polish, and compact powder became fashionable. Fair skin was considered a symbol of beauty, leading to a rapid growth in the fairness cream market. 1990s - After liberalization, international brands entered India. Women had access to a variety of lipstick, foundation, and hair color options. Fashion magazines and TV advertisements popularized the glamorous look in every household. 2000s - During this period, facilities like facials, hair spas, and skin treatments became commonplace even in small towns. Even young girls began using beauty products regularly. 2010s onwards - Social media influencers completely changed beauty trends. Now, terms like the no-makeup look, Korean skincare, sunscreen, retinol, niacinamide, and clean beauty have become part of women's everyday lives. Five-fold increase in spending and changing mindsets: The biggest shift in women's thinking these days is regarding skin health. Social media and Korean beauty trends have significantly influenced people's preferences. This is why, while previously only 4-5 products were seen on women's dressing tables, now 20 to 30 products are commonplace. Expenditure on beauty and personal care products has also increased significantly. Over the past decade, the share of skincare, haircare, and cosmetics in household monthly expenditures has steadily increased. According to statistics, monthly expenditure on beauty and personal care per woman has increased fivefold in the last 10 years. The Indian beauty market is rapidly growing: Looking at data and reports, the Indian beauty and personal care market is growing rapidly. The total size of this market was around ?2 lakh crore in 2025, and it is estimated to grow to over ?4 lakh crore by 2030. With this, India will become the world's fourth largest beauty and personal care market in the next three to four years. How is shopping behavior changing? Today's consumer is more aware and discerning than before, as is clearly reflected in these statistics: 85% of consumers now pay special attention to the ingredients used in beauty products before purchasing them. 48% are influenced by the advice of social media influencers for their purchases. 55% of consumers are more attracted to collagen-based products. 46% of people are increasingly preferring beauty products containing hyaluronic acid.

Priced at ?45,000, resale value ?20 lakh! Why has this pocket watch caused a worldwide uproar?

The new limited edition "Royal Pop" pocket watch from Swiss company Swatch and renowned luxury watch maker Audemars Piguet has created a stir worldwide upon its launch. Have you ever heard of people fighting to buy a watch, or the police having to use tear gas? A similar scene unfolded at the launch of the new limited edition "Royal Pop" pocket watch from Swiss company Swatch and renowned luxury watch maker Audemars Piguet. Even before the watch's launch on May 16th, people around the world queued outside stores for days to get their hands on it. Let's find out what's so special about this watch that has caused a worldwide uproar. Chaos and panic: As soon as this watch was launched on May 16th, the situation spiraled out of control in many cities across the US, Europe, and the Middle East. The situation deteriorated to the point where clashes broke out, and in some places, stores were forced to close their shutters. Police were even called in to control the situation. The chaos was so intense that even two days later, Swatch stores remained closed in many cities. The company itself had to appeal to people on social media not to visit stores in large numbers. Why is there so much looting? The Audemars Piguet brand is known for its luxury watches, which typically cost lakhs or crores of rupees. However, this special pocket watch has been offered at a significantly lower price. Young people, watch collectors, and resellers hope to buy it at a lower price and later sell it for a substantial profit. This is why people are rushing to buy it, and on many websites, its resale price is being quoted several times higher than the launch price.

A watch worth 45,000 rupees is selling for 20 lakh rupees. Designed like watches worth crores, this watch originally cost around 45,000 rupees, but surprisingly, it has been sold for nearly 20 lakh rupees online. What makes this watch special? - Design: This watch is a perfect blend of the octagonal design of Audemars Piguet's famous 'Royal Oak' series and Swatch's 'pop' style of the 80s. Mechanism: For the first time, Swatch has replaced its renowned 'System51' mechanical movement with a manually wound caliber. Premium Features: The transparent sapphire caseback, open mainspring barrel, and premium Super-Luminova coating, which provides a brilliant glow at night, make it exceptionally special. Police patrol from New York to Paris - the craze for this watch has driven people crazy. New York: Several people camped outside the store for days and fell ill. London and Paris: Police dogs were used to control the crowds in London, while in Paris, police had to fire tear gas. Milan and Dubai: Police were called in in Milan, and launch events had to be canceled in several cities, including Dubai, due to the situation. The craze for this watch was also seen in India. Huge crowds gathered outside the Select Citywalk store in Delhi and the Swatch boutique in the Palladium Mall in Mumbai. Long queues of people had formed here several hours before the launch. Ultimately, keeping crowds and security concerns in mind, launch events in both Indian cities had to be canceled.

Single women are buying more homes than men, but why is male ego hindering this success?

Today, women are progressing in every field and becoming self-reliant. This is causing significant stress in their relationships. Women are achieving success in every field. They are no longer financially dependent and are now making many major life decisions on their own, but this success is hindering their relationships. Despite achieving career success and financial independence, women are facing difficulties in their relationships. In fact, this success is causing insecurity among men. Women are buying homes at twice the rate – In these changing times, single women are buying more homes than men. The homebuying rate for single women is approximately 25%, while the rate for single men is approximately 10%. Today's women are no longer waiting for a life partner to make important life decisions or achieve their goals. Even without marriage, they are buying properties and building their own future. This success of women often hurts men's pride in being traditional breadwinners. As women become self-reliant and purchase their own homes, a strange sense of insecurity arises in men. According to psychologists, men fear losing their dominance. When women become more financially successful, men feel they have lost their dominance in society and relationships. Numerous statistics show that when wives earn more than 40% of the household's total income, men begin to feel more stressed. The real issue is not the purchase of a home, but the social symbolism associated with the home, which has long been a male monopoly. Cases of exploitation increase. When women gain the upper hand in terms of money and respect, the rates of infidelity and emotional or physical abuse also increase. They begin to express anger over small things and see their traditional role in the relationship as threatened. What's in a relationship besides money? For a long time, women didn't have the legal right to open a bank account or own property in their own name, leaving them completely dependent on men. Today, when women are moving forward independently without compromise, men are unable to accept this new change. They don't understand that if a woman doesn't need their money, what else can they contribute to the relationship besides money. Bizarre arguments are also made that if the woman buys the house, what will be left for the man? Women choosing freedom and peace of mind - Rather than face this harsh social experience and men's insecurities, many women have begun to distance themselves from matrimony sites and dating apps. They are choosing their freedom and mental peace over being suffocated in such a relationship.

Emily in Paris Season 6: Emily heads to the final chapter, shooting begins for the farewell season

Filming for the sixth and final season of the popular series "Emily in Paris" has begun in Greece. Lily Collins described it as the final chapter in Emily's life, although a Netflix release date is yet to be confirmed.

final season. In a post, the will be the show's final on May 21st, and the photos from Greece. arriving at the beautiful chapter of the romantic Paris? "Emily in Paris" Emily, a marketing lands a dream job in journey through Europe. experiences and friendship, and romance. she says, "Season 6 will show, and it will be the Our entire cast and crew season, which is I'm eagerly awaiting the to celebrating my final possible." As for when no official word yet. However, if the current trend continues, the sixth season could arrive by the end of 2026.

"Emily in Paris" has announced its sixth and makers confirmed that the upcoming season season. Filming for the final season began producers announced the news by sharing Photos circulating online show several actors set, where they began filming the final comedy series. What is the story of Emily in has entered its final season. Lily Collins plays executive from Chicago. She unexpectedly Paris and embarks on a life-changing Her new life becomes filled with exciting surprising challenges, while juggling work, Collins posted a video for fans. In the video, bring you everything you love about the final chapter in Emily's lifelong adventure. are working tirelessly to make this farewell currently being shot, a truly spectacular one. magic that lies ahead and looking forward season with you in the most stylish way the sixth season will arrive on Netflix, there's

Priya Banerjee came out in support of her husband, Prateek, and taunted his brother-in-law with a cryptic post.

Actor Prateek Smita Patil's wife, Priya Banerjee, has targeted her brother-in-law, actor Arya Babbar. Prateek Smita Patil's name in the news: Elder brother taunted the actor; Prateek's wife retorts. For a long time, news more for family issues to his younger son, Prateek from his surname. Recently, his about the rift between Prateek Banerjee, has now retaliated by Babbar's statement - In fact, Babbar's son with his first wife, in which Arya openly discussed stepbrother, Pratik. During weren't getting work and things financial needs. If you need the your father. You need your problems, but when it comes to you didn't think about him. his elder brother and I love him, on this matter, Prateik Smita official Instagram handle, some people would have finally Without naming names, Priya her husband. Let us tell you that Smita Patil soured when Prateik did not invite her or any other family members to his second wedding.

veteran actor Raj Babbar's name has been in the than for his film and political career, largely due Smita Patil, who has dropped his father's name stepbrother, actor Arya Babbar, has spoken out Smita Patil and his family. Prateek's wife, Priya sharing a cryptic post. Priya's post on Arya Arya Babbar, Smita Patil's elder brother and Raj Nadira, gave a recent interview to Vicky Lalwani, his family relationship and differences with his this, he took a dig at Pratik, saying, "When you were going bad, your father was fulfilling your house that was bought for your mother, then he is father's support for all your comforts and respecting him and ensuring his social standing, What does it mean to remove his surname? I am but I also oppose him where he is wrong." Now, Patil's wife Priya Banerjee shared a story on her writing, "If false information could get bills paid, succeeded." "Not invited to the wedding" - has directly targeted Arya Babbar and supported the relationship between Raj Babbar and Prateik

Dhanush's action thriller, 'Kara', with an IMDb rating of 8.2, is coming to OTT.

Dhanush's action thriller 'Kara' is set to be released on an OTT platform, moving away from theaters. Dhanush's action thriller 'Kara' is now set to release on an OTT platform after its theatrical release. The film have been announced. heist action thriller 'Kara' It was Dhanush's most despite receiving critical collections were that Dhanush's film, made ?100 crore (approximately half of its budget. The film (approximately $4.1 billion) a month - Despite its lack of is now set to release on an released on OTT within a watch Dhanush's Kara thriller Kara is set to stream from May 28th. Audiences film, which has received an the story of the film? - Set around Kara (Dhanush), a return to the world of crime is seized by a bank. He, targeting banks that have documents from the poor. the lead role. The film also stars S. Ravikumar, Suraj Venjaramoodu, Jayaram, Karunas, Prithvi Rajan, and Sreeja Ravi. If you missed the film in theaters, you can watch it on Netflix starting May 28th.

release date and platform for the Directed by Vignesh Raja, the released in theaters on April 30th. anticipated film. However, acclaim, the film's box office disappointing. Reports suggest with a budget of approximately $1.2 billion), grossed less than grossed approximately ?41 crore worldwide. Kara on OTT within success at the box office, the film OTT platform. The film is being month. When and where to movie? - Dhanush's action on the OTT platform Netflix are eager to see this top-rated 8.2 rating from IMDb. What is in the 90s, the story revolves reformed thief who is forced to after his family's ancestral land along with two associates, begins embezzled money and land The film stars Mamita Baiju in